मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक

# उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 48
बुधवार, 27 अगस्त 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

## भारत और जापान का संबंध संस्कृति और विश्वास का बंधन हैः पीएम मोदी

**नई दिल्ली, 26 अगस्त।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को भारत और जापान के संबंधों को संस्कृति और विश्वास का बंधन बताया। अहमदाबाद के हंसलपुर स्थित सुजुकी मोटर प्लांट में सुजुकी के पहले वैश्विक रणनीतिक बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (बीईवी) 'ई-विटारा' को हरी झंडी दिखाने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि सुजुकी के साथ भारत के संबंध बुलेट ट्रेन की गति तक पहुँच गए हैं। उन्होंने मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी निर्माण सुविधा का उद्घाटन किया, जो तोशिबा, डेंसो और सुजुकी का एक संयुक्त उद्यम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले हफ्ते मैं जापान जा रहा हूँ। भारत और जापान के बीच संबंध राजनयिक संबंधों से कहीं आगे तक जाते हैं, यह संस्कृति और विश्वास का बंधन है। हम अपनी प्रगति को एक-दूसरे के विकास में परिलक्षित देखते हैं। मारुति सुजुकी के साथ शुरू किया गया हमारा सफर अब बुलेट ट्रेन की गति तक पहुँच गया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-जापान साझेदारी की औद्योगिक क्षमता को साकार करने की प्रमुख पहल यहीं गुजरात में शुरू हुई। मुझे याद है, जब हमने 20 साल पहले वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन

शुरू किया था, तो जापान एक प्रमुख साझेदार था। जरा सोचिए, एक विकासशील देश का एक छोटा सा राज्य जापान जैसे विकसित देश को अपना साझेदार बनाकर निवेश आकर्षित कर रहा है, यह दशार्ता है कि भारत-जापान संबंधों की नींव कितनी मजबूत है।

मोदी ने तगा कि शुरूआत में, जब हमारे जापानी साझेदार आते थे, तब मैं उन्हें समझना शुरू ही कर रहा था, और मेरी समझ बढ़ती गई। मुझे एहसास हुआ कि जापानी लोगों का स्वभाव ऐसा है कि उनका सांस्कृतिक पारिस्थितिकी तंत्र उनकी पहली प्राथमिकता है। वे जापानी भोजन पसंद करते हैं। गुजरातियों की अपनी आदतें होती हैं, जब वे गुजरात में होते हैं, तो वे रेस्टोरेंट का खाना खा सकते हैं, लेकिन जब बाहर होते हैं, तब भी वे गुजराती व्यंजन पसंद करते हैं।

दिवंगत ओसामु सुजुकी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार को उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित करने का गौरव प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी इंडिया के लिए ओसामु सुजुकी के विजन के व्यापक विस्तार को देखकर उन्हें खुशी हो रही है।

## सौरभ भारद्वाज के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर भड़के केजरीवाल

**नई दिल्ली, 26 अगस्त।** दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज के आवास पर छापेमारी के बाद केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि यह कार्रवाई इसलिए की जा रही है क्योंकि आप केंद्र के खिलाफ सबसे मुखर आवाज है। उन्होंने कहा कि सौरभ भारद्वाज के आवास पर ईडी की छापेमारी केंद्र सरकार द्वारा एजेंसियों के ₹दुरुपयोग₹ का एक और मामला है और इससे पहले किसी भी पार्टी ने भाजपा की तरह आप को निशाना नहीं बनाया है।

केजरीवाल ने '' पर लिखा कि सौरभ भारद्वाज के घर पर ईडी की छापेमारी मोदी सरकार द्वारा एजेंसियों के दुरुपयोग का एक और मामला है। मोदी सरकार आम आदमी पार्टी के पीछे पड़ गई है। जिस तरह से आप को निशाना

बनाया जा रहा है, वैसा इतिहास में किसी भी पार्टी के साथ नहीं हुआ। आप को इसलिए निशाना बनाया जा रहा है क्योंकि यह मोदी सरकार की गलत नीतियों और भ्रष्ट कार्यों के खिलाफ सबसे मुखर आवाज है। मोदी सरकार हमारी आवाज दबाना चाहती है। ऐसा कभी नहीं होगा।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आप ऐसी कार्रवाइयों से डरेगी नहीं और देशहित में लोगों की आवाज उठाती रहेगी। आप भाजपा के इन छापों से डरने वालों में से नहीं है। हम हमेशा की तरह देशहित में गलत नीतियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाते रहेंगे। अरविंद केजरीवाल के अलावा, दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भी इस घटना के बाद भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि सोमवार को पीएम मोदी की डिग्री पर हुए बड़े खुलासे के बाद ये छापे मारे गए हैं।

उन्होंने कहा कि यह बात सामने आई है कि पीएम मोदी की डिग्री फर्जी है और उन्होंने देश से झूठ बोला है, इसलिए इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए सौरभ भारद्वाज के आवास पर छापे मारे जा रहे हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आज राष्ट्रीय राजधानी में अस्पताल निर्माण परियोजनाओं में कथित अनियमितताओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के आवास पर तलाशी ली।

## डोडा जिले में बादल फटने से अचानक आई बाढ़, 10 से अधिक घर क्षतिग्रस्त

**डोडा, 26 अगस्त।** जम्मू-कश्मीर के डोडा ज़िले में मंगलवार को बादल फटने से अचानक बाढ़ आ गई जिससे 10 से ज्यादा घर क्षतिग्रस्त हो गए। यह घटना ऐसे समय में हुई जब मौसम विभाग ने कठुआ, सांबा, डोडा, जम्मू, रामबन और किश्तवाड़ ज़िलों सहित जम्मू क्षेत्र के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी थी। अधिकारियों ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। तवी नदी उफान पर है। कई नदियों और नालों में जलस्तर पहले ही खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है, अधिकारियों ने कहा कि रात तक जलस्तर में और उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। एक

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जम्मू क्षेत्र में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है और लोगों को जल निकायों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी गई है। कश्मीर के दक्षिणी ज़िलों में मध्यम से भारी बारिश हुई, जबकि ऊँचाई वाले इलाकों में भारी बारिश हुई। हालाँकि झेलम नदी के लिए बाढ़ की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई, लेकिन जलस्तर बढ़ने की आशंका है। मध्य कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि उत्तरी कश्मीर में हल्की बारिश या शुष्क मौसम रहा। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार सुबह 8:30 बजे तक पिछले 24 घंटों में कठुआ ज़िले में 155.6 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसके बाद डोडा के भद्रवाह में 99.8 मिमी, जम्मू में 81.5 मिमी और कटरा में 68.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने कम से कम 27 अगस्त तक ऊंचाई वाले इलाकों में बादल फटने, अचानक बाढ़ और भूस्खलन की आशंका जताई है। अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील इलाकों में बचाव और राहत टीमों को अलर्ट पर रखा गया है।

## वोटर अधिकार यात्रा में राहुल गांधी के साथ प्रियंका गांधी भी हुई शामिल

**सुपौल, 26 अगस्त।** बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा के 10वें दिन प्रियंका गांधी भी अभियान में शामिल हुईं। यात्रा सुबह सुपौल से शुरू हुई। काफिला एनएच-27 से कोसी महासेतु पुल पार करते हुए मधुबनी पहुँचा। वाड्रा और गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राजद नेता तेजस्वी यादव और इंडिया ब्लॉक के अन्य प्रतिनिधियों के साथ, एक एसयूवी की छत पर बैठे देखे गए, जो धीमी गति से चल रही थी, और वे उत्साही भीड़ की ओर हाथ हिला रहे थे। एक दिन के विराम के बाद मंगलवार को यात्रा पुनः शुरू हुई।

प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि जनता का विश्वास खो

चुकी भाजपा देशभर में वोट चोरी की साज़िश रच रही है। बिहार में भाजपा-जदयू सरकार महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, आर्थिक संकट, हर मोर्चे पर विफल रही है, फिर भी जनता के वोट चुराकर सत्ता में बने रहना चाहती है। उन्होंने आगे कहा कि लाखों गरीब और वंचित नागरिकों को उनके वोट के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। संविधान ने हर भारतीय को वोट का अधिकार दिया है। कोई भी ताकत इस अधिकार को छीन नहीं सकती। हम गरीब जनता का एक भी वोट नहीं चुराने देंगे।

रविवार को अररिया में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि बिहार में इंडिया ब्लॉक के सभी घटक आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं और परिणाम अच्छे होंगे। गांधी ने कहा कि इंडिया ब्लॉक जल्द ही बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एक साझा घोषणापत्र जारी करेगा। विपक्षी गठबंधन के सभी घटक एकजुट होकर काम कर रहे हैं... हम वैचारिक और राजनीतिक रूप से एकजुट हैं... एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, और परिणाम अच्छे होंगे। उन्होंने कहा, ₹मैं इसे इंडिया ब्लॉक के सभी घटकों के बीच एक अच्छी साझेदारी कहता हूँ। गांधी ने बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में, सभी भारतीय ब्लॉक घटकों के समर्थन से 'मतदाता अधिकार यात्रा' शुरू की।

## भविष्य के संघर्षों में भारत की प्रतिक्रिया त्वरित और निर्णायक होनी चाहिएः सीडीएस जनरल अनिल चौहान

**नई दिल्ली, 26 अगस्त।** प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने सोमवार को कहा कि तकनीकी प्रगति व जमीन, समुद्र और हवा में युद्ध की तेजी से बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों के प्रति भारत की प्रतिक्रिया एकीकृत, त्वरित और निर्णायक होनी चाहिए। सेना के शीर्ष अधिकारी ने भारत की सैन्य शक्ति को बढ़ाने की तैयारियों के तहत तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा, ऐसे समय में जब जमीन, समुद्र, हवा, साइबर और अंतरिक्ष में संघर्ष का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, हमारी प्रतिक्रिया एकीकृत, त्वरित और निर्णायक होनी चाहिए। सीडीएस ने कहा, भविष्य का युद्धक्षेत्र सेनाओं की सीमाओं को नहीं पहचानता। इसके लिए संयुक्त सोच, संयुक्त योजना और संयुक्त कार्यान्वयन की आवश्यकता है। जनरल चौहान ने तीनों सेनाओं के बीच बेहतर तालमेल का आह्वान करते हुए कहा, हमें न केवल एक साथ लड़ने के लिए, बल्कि एक साथ सोचने के लिए भी तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा, एकजुटता अब केवल आकांक्षा नहीं रह गई, बल्कि यह हमारे निरंतर परिवर्तन का आधार है। जनरल चौहान ने रण संवाद नाम के दो दिवसीय सम्मेलन से पहले यह टिप्पणी की। संबंधित

सम्मेलन युद्धक्षेत्र के विभिन्न पहलुओं और अभियानगत संबंधी अंतर्दृष्टि तथा भारत की युद्ध-क्षमताओं को बढ़ाने के तरीकों पर केंद्रित होगा। यह सम्मेलन 26 और 27 अगस्त को महू स्थित सेना युद्ध महाविद्यलय में आयोजित किया जाएगा। सीडीएस ने कहा, यह सेमिनार एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां सेवारत अधिकारी संघर्ष और युद्ध की वास्तविकताओं पर चर्चा का नेतृत्व करेंगे। जनरल चौहान ने कहा कि रण संवाद एक ऐसा मंच प्रदान करेगा, जहां सेना के सामूहिक दृष्टिकोण पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा, यह सेमिनार शक्ति प्रदर्शन के बारे में नहीं है। यह उद्देश्य की स्पष्टता, एकजुट प्रयासों और सभी सेवाओं में साझा अभियानगत समझ को आकार देने के बारे में है। हमें न केवल एक साथ लड़ने के लिए, बल्कि एक साथ सोचने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। रण संवाद सम्मेलन के अंतिम दिन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पूर्ण सत्र को संबोधित करेंगे।

### राहुल की यात्रा में शामिल हुए रेवंत रेड्डी

**सुपौल।** तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए और देश में मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की लड़ाई का समर्थन किया। हालांकि, रेवंत रेड्डी के बिहार पहुंचने पर सियासत तेज हो गई है। भाजपा और प्रशांत किशोर ने कांग्रेस और महागठबंधन पर निशाना साधा है। केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कहा कि राहुल गांधी बिहार के दौरे पर हैं, प्रियंका गांधी भी यहां हैं। वे सभी तेजस्वी यादव का समर्थन करने आए हैं।

# सपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री की कुर्सी एक ही परिवार में क्यों

-संजय सक्सेना

समाजवादी पार्टी में इस समय पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) को लेकर काफी गंभीर मतभेद नजर आ रहे हैं। ऐसा इस लिये हैं क्योंकि पीडीए की बात करने वाले सपा प्रमुख अखिलेश ने पार्टी के सभी प्रमुख पदों पर अपने परिवार के लोगों को बैठा रखा है। चुनाव के समय टिकट बांटते समय भी सपा आलाकमान सबसे पहले अपने और परिवार के बारे में ही सोचता है। यही वजह है मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर पहले मुलायम सिंह का कॉपीराइट हुआ करता था और उनके बाद उनके पुत्र अखिलेश यादव ने इन दोनों पदों को अपनी जागीर बना रखा है। लोकसभा में समाजवादी पार्टी नेता के पद पर भी अखिलेश यादव काबिज हैं। मुलायम कुनबे के पांच सदस्य सांसद हैं। समाजवादी पार्टी में मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष का पद एक ही परिवार तक सीमित रहता है। दो बार मुलायम सिंह और एक बार अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा कोई दूसरा सीएम नहीं बना। इससे आगे की बात की जाये तो मुख्यमंत्री होते हुए भी यह दोनों नेता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर भी विराजमान रहे। मुलायम कुनबे ने इन तीन पदों पर ना तो अपने से इतर कभी किसी पिछड़े समाज के नेता को आगे बढ़ाया ना ही दलित या फिर अल्पसख्यक नेता को इन पदों के लिये मौका मिला। ऐसे में अखिलेश का पीडीए छलावा ही नजर आता है। यही बात आज पार्टी से बाहर निकाली गई विधायक पूजा पाल कह रही हैं और इससे पहले भी कई नेता कह चुके हैं। ऐसे में सवाल यही है कि क्या पीडीए के अन्य नेता सीएम या पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालने के लायक नहीं हैं। इससे साफ संकेत मिलता है कि क्या समाजवादी एक परिवार तक सीमित होकर रह गई है। क्या पीडीए के नाम पर अखिलेश यादव अन्य जातियों को धोखा दे रहे हैं?

गौरतलब हो, उत्तर प्रदेश की राजनीति में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी ने 2022 विधानसभा चुनावों के बाद से पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को अपनी मुख्य रणनीति बनाया। अखिलेश ने इसे एक सामाजिक गठजोड़ के रूप में पेश किया, जहां पिछड़े वर्ग, दलित और अल्पसंख्यक एकजुट होकर भाजपा को चुनौती देंगे। 2024 लोकसभा चुनावों में सपा की 37 सीटों की जीत को पीडीए की सफलता बताया गया। लेकिन पार्टी के भीतर उभरती कलह और कई नेताओं के बयान बताते हैं कि यह रणनीति महज एक चुनावी जुमला है, जिसके नाम पर अखिलेश अन्य बिरादरियों के नेताओं को धोखा दे रहे हैं। पीडीए में पी और डी को दरकिनार कर सिर्फ ए (अल्पसंख्यक, मुख्यतः मुस्लिम) पर फोकस करने के आरोप लग रहे हैं, जो पार्टी छोड़ने वाले नेताओं के बयानों से पुष्ट होते हैं। यह स्टोरी इन आरोपों की पड़ताल करती है, जहां कलह की जड़ परिवारवाद, जातिवाद और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में छिपी है।

पार्टी के भीतर कलह की शुरूआत 2023-24 से ही दिखने लगी, जब पीडीए की घोषणा के बाद कई प्रमुख नेता से अलग हुए। सबसे बड़ा नाम स्वामी प्रसाद मौर्य का है, जो पिछड़े वर्ग (कुर्मी) से आते हैं। मौर्य ने फरवरी 2024 में सपा छोड़कर अपनी राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी बनाई। उनके बयान में साफ कहा गया कि अखिलेश पीडीए के नाम पर पिछड़ों और दलितों को ठग रहे हैं। पार्टी में सिर्फ यादव और मुस्लिमों का बोलबाला है, अन्य जातियों को टिकट या पद नहीं मिलते। मौर्य ने आरोप लगाया कि सपा में परिवारवाद हावी है, जहां अखिलेश के चाचा शिवपाल यादव और अन्य रिश्तेदारों को तरजीह दी जाती है, जबकि के अन्य घटक सिर्फ वोट बैंक हैं। मौर्य के जाने के बाद सपा में हलचल मची, लेकिन अखिलेश ने इसे व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा करार दिया।

पिछड़े वर्ग से ही ओम प्रकाश राजभर ने भी सपा पर हमला बोला। राजभर, जो सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रमुख हैं, 2023 में सपा से अलग होकर एनडीए में शामिल हो गये थे। अगस्त 2025 में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजभर ने कहा, अखिलेश पीडीए की बात करते हैं, लेकिन असल में उन्हें धोखा देते हैं।सपा नेता गायत्री प्रजापति, रामकांत यादव जेल में हैं, लेकिन अखिलेश सिर्फ एक जाति को बढ़ावा देते हैं। वे सभी जातियों से वोट लेते हैं, लेकिन इस्तेमाल करते हैं। राजभर ने पीडीए को फर्जी बताया और कहा कि अखिलेश ने कुम्हार समुदाय जैसे छोटे पिछड़ों को कभी महत्व नहीं दिया। राजभर के बयान से सपा में पिछड़ों की नाराजगी उजागर हुई, जो 2025 बाय-इलेक्शन में पार्टी को नुकसान पहुंचा सकती है।

समाजवादी पार्टी में दलित बिरादरी भी असंतोष स्थिति में है। अवधेश प्रसाद, जो समाजवादी पार्टी के आयोध्या से सांसद हैं, के करीबी मोईद खान पर 2024 में एक नाबालिग दलित लड़की से बलात्कार का आरोप लगा। इस घटना ने पीडीए की साख पर सवाल उठाए। दलित नेता और पूर्व समाजवादी सदस्य रामजी लाल सुमन ने कहा कि अखिलेश ने 2012 में 2.5 लाख दलितों को डिमोट किया और 3 लाख बहुजन छात्रों की स्कॉलरशिप रोकी। सपा में दलितों के लिए कुछ नहीं, सिर्फ नाम।सुमन ने राजपूत शासक राणा संगा को गद्दार कहने पर भी अखिलेश की आलोचना की, जो दलित-राजपूत गठजोड़ को तोड़ता है। हाल ही में विधायक पूजा पाल को पार्टी से निकाला गया। पाल ने आरोप लगाया कि अखिलेश परिवारवाद चला रहे हैं, पीडीए सिर्फ दिखावा है। करहल में दलितों पर हमले और सीतापुर में दलित घरों को जलाने की घटनाएं समाजवादी पार्टी शासनकाल की याद दिलाती हैं, जहां दलित अपराध राष्ट्रीय औसत से 5 गुना ज्यादा थे।

अल्पसंख्यकों को छलने का आरोप सबसे गंभीर है। अखिलेश अपने परिवर के अलावा सिर्फ मुस्लिम नेताओं को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन यह भी तुष्टिकरण का खेल है। मुलायम सिंह ने हर थाने में 3-4 मुस्लिम अधिकारी रखने का आदेश दिया, अखिलेश ने मुस्लिम लड़कियों को 20,000 रुपये की योजना चलाई। लेकिन संभल दंगों में सपा सांसद जिया उर रहमान पर आरोप लगा, फिर भी अखिलेश ने दंगाइयों के परिवारों को 5 लाख दिए, जबकि हिंदू पीड़ितों को कुछ नहीं। शैलेश यादव की हत्या पर चुप्पी साधी गई। सपा नेता जैसे जाहिद बैग, साजिद पाशा, मोईन खान पर अल्पसंख्यक समुदाय से ही बलात्कार के आरोप हैं, लेकिन पार्टी उन्हें बचाती है। अखिलेश मस्जिदों में मीटिंग करते हैं, लेकिन अल्पसंख्यकों को सिर्फ वोट के लिए इस्तेमाल करते हैं, विकास नहीं। 2025 में स्कूल बंदी पर अखिलेश ने पीडीए शिक्षा पर हमला बताया, लेकिन उनके शासन में मुस्लिम क्षेत्रों में भी भ्रष्टाचार था। अन्य बिरादरियों से भी नेता भागे। अपर्णा यादव (अखिलेश की भाभी) 2022 में बीजेपी में चली गईं, आरोप लगाया कि सपा में महिलाओं और गैर-यादवों की कोई जगह नहीं। विरेंद्र बहादुर पाल पर बलात्कार का केस, रामेश्वर यादव पर जमीन हड़पने का आरोप ये सपा की छवि बिगाड़ते हैं। 2025 में ईडी रेड में सपा से जुड़े कारोबारी से 150 करोड़ मिले, जो उसका भ्रष्टाचार दर्शाता है। कुल मिलाकर, पीडीए अखिलेश के लिए चुनावी हथियार है, लेकिन पार्टी में कलह बढ़ रही है। नेता छोड़ रहे हैं क्योंकि वे महसूस करते हैं कि अखिलेश यादव परिवार और मुस्लिम तुष्टिकरण में उलझे हैं, अन्य बिरादरियों को धोखा दे रहे हैं। अल्पसंख्यकों को भी सिर्फ वोट बैंक बनाया जा रहा है, बिना सच्चे विकास के। अगर यह जारी रहा, तो 2027 विधानसभा में सपा को बड़ा झटका लग सकता है।

# गणेश हैं विघ्नहर्ता-मंगलकर्ता एवं जीवंत राष्ट्रीयता के प्रतीक

-ललित गर्ग

## गणेश चतुर्थी- 27 अगस्त, 2025 पर विशेष

भारतीय संस्कृति और धर्मजगत में गणेशजी का स्थान अद्वितीय है। वे विघ्नहर्ता, बुद्धिदाता, मंगलकर्ता और उन्नत राष्ट्र-निमार्ता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत उनके पूजन के बिना अधूरी मानी जाती है। उनके स्वरूप में ही गहन प्रतीकात्मकता निहित है, हाथी का विशाल मस्तक विवेक और दूरदर्शिता का प्रतीक है, छोटा मुख संयमित वाणी का द्योतक है, बड़े कान अधिक सुनने और कम बोलने की शिक्षा देते हैं, छोटा नेत्र गहराई से देखने की प्रेरणा देता है और विशाल उदर सहिष्णुता व समावेशिता का बोध कराता है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। गणेश शिवजी और पार्वती के पुत्र हैं, ऐसे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव का जन्मोत्सव भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को सम्पूर्ण दुनिया में उमंग एवं हर्षोल्लास से मनाया जाता है। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है।

भारतीय धर्म-दर्शन में गणेश जी आरंभ के देवता हैं। वैदिक परंपरा से लेकर पुराणों और लोककथाओं तक, वे हर युग में ह्लमार्गदर्शकह्व बने रहे हैं। यही कारण है कि उन्हें ह्लसर्वोपास्यह्व देवता कहा गया, सभी पंथों, संप्रदायों और वर्गों के लोग उनके पूजन में समान रूप से भाग लेते हैं। गणेशजी को प्रथम लिपिकार माना जाता है उन्होंने ही देवताओं की प्रार्थना पर वेद व्यासजी द्वारा रचित महाभारत को लिपिबद्ध किया था। जैन एवं बौद्ध धर्मों में भी गणेश पूजा का विधान है। अनंतकाल से अनेक नामों से गणेश दुख, भय, चिन्ता इत्यादि विघ्न के हरणकर्ता के रूप में पूजित होकर मानवों का संताप हरते रहे हैं। गणेश जी का पूजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय एकता का माध्यम भी है। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने गणेशोत्सव को सार्वजनिक रूप दिया। इससे गणेश चतुर्थी केवल पारिवारिक पर्व न रहकर जनजागरण और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बन गई। तिलक ने इसे सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय चेतना के मंच के रूप में स्थापित किया, जिसने भारत को स्वतंत्रता संग्राम के लिए एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्तमान काल में स्वतंत्रता की रक्षा, राष्ट्रीय चेतना, भावनात्मक एकता और अखंडता की रक्षा के लिए गणेशजी की पूजा और गणेश चतुर्थी के पर्व का उत्साहपूर्वक मनाने का अपना विशेष महत्व है। आज के समय में जब समाज विभिन्न मत-मतांतरों, भाषाओं और संस्कृतियों में बंटा दिखाई देता है, तब गणेशजी पुनः राष्ट्रीय एकता के प्रतीक बनकर सामने आते हैं। उनका स्वरूप हमें विविधता में एकता, सहिष्णुता, धैर्य और विवेकपूर्ण निर्णय की प्रेरणा देता है। गणेश जी हमें बताते हैं कि बुद्धि और करुणा का समन्वय ही प्रगति का मार्ग है। आज जब विश्व हिंसा, कट्टरता और असहिष्णुता से जूझ रहा है, तब गणेश चतुर्थी का पर्व हमें समन्वय और सहयोग का संदेश देता है। वे केवल धार्मिक आस्था के देवता ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक और राष्ट्रीय एकता के जीवंत प्रतीक हैं।

हिन्दुओं में गणेशजी के जन्म के विषय में अलग-अलग कथाएँ प्रचलित हैं। वराह पुराण के अनुसार स्वयं शिव ने पंच तत्त्वों को मिला कर गणेश का निर्माण बहुत तन्मयता से किया। जिससे वे अत्यंत सुन्दर और आकर्षक बने तो देवताओं में खलबली मच गयी, स्थिति को भांप कर शिव ने गणेश के पेट का आकार बढ़ा दिया और सिर को गजानन की आकृति का कर दिया ताकि उनके सौन्दर्य और आकर्षण को कम किया जा सके। शिव पुराण के अनुसार एक बार पार्वती ने अपने उबटन के मैल से एक पुतला बनाया और उसमें जीवन डाल दिया। इसके उपरांत उन्होंने इस जीवधारी पुतले को द्वार पर प्रहरी के रूप में बैठा दिया और उसे आदेश दिया कि वह किसी भी व्यक्ति को अंदर न आने दे। इसके बाद वे स्नान करने लग गई। संयोगवश कुछ ही समय बाद शिव उधर आ निकले। उनसे सर्वथा अपरिचित गणेश ने शिव को भी अंदर जाने से रोक दिया। इस पर शिव अत्यंत क्रोधित हुए और उन्होंने अपने त्रिशूल से गणेश का मस्तक काट दिया। पार्वती ने यह देखा तो वे बहुत दुखी हुईं। तब पार्वती को प्रसन्न करने के लिए शिव ने एक हाथी के बच्चे का सिर गणेश के धड़ से लगाकर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। तभी से गणेश, गजानन कहलाए। लेकिन बालक की आकृति से पार्वती बहुत दुखी हुई तो सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद और अतुलनीय उपहार भेंट किए, उन्हें प्रथम देव के रूप में सभी अधिकार प्रदत्त किये। इंद्र ने अंकुश, वरुण ने पाश, ब्रह्मा ने अमरत्व, लक्ष्मी ने ऋद्धि-सिद्धि और सरस्वती ने समस्त विद्याएँ प्रदान कर उन्हें देवताओं में सर्वोपरि बना दिया।

ऋद्धि-सिद्धि गणेशजी की पत्नियाँ हैं। वे प्रजापति विश्वकर्ता की पुत्रियां हैं। गणेश की पूजा यदि विधिवत की जाए, तो इनकी पतिव्रता पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि भी प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-शांति-समृद्धि और संतान को निर्मल विद्या-बुद्धि देती है। सिद्धि से क्षेम और ऋद्धि से नाम के शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। जहां भगवान गणेश विघ्नहर्ता हैं तो उनकी पत्नियां ऋद्धि-सिद्धि यशस्वी, वैभवशाली व प्रतिष्ठित बनाने वाली होती है। वहीं शुभ-लाभ हर सुख-सौभाग्य देने के साथ उसे स्थायी और सुरक्षित रखते हैं। जन-जन के कल्याण, धर्म के सिद्धान्तों को व्यावहारिक रूप प्रदान करने एवं सुख-समृद्धि-निर्विघ्न शासन व्यवस्था स्थापित करने के कारण मानव-जाति सदा उनकी ऋणी रहेगी। आज के शासनकताओं को गणेश के पदचिन्हों पर चलने की जरूरत है।

गणेशजी की सम्पूर्ण शारीरिक रचना के पीछे भगवान शिव की व्यापक सोच रही है। एक कुशल, न्यायप्रिय एवं सशक्त शासक एवं देव के समस्त गुण उनमें समाहित किये गये हैं। गणेशजी का गज मस्तक हैं अर्थात वह बुद्धि के देवता हैं। वे विवेकशील हैं। उनकी स्मरण शक्ति अत्यन्त कुशाग्र हैं। हाथी की भ्रांति उनकी प्रवृत्ति प्रेरणा का उद्गम स्थान धीर, गंभीर, शांत और स्थिर चेतना में है। हाथी की आंखें अपेक्षाकृत बहुत छोटी होती हैं और उन आँखों के भावों को समझ पाना बहुत कठिन होता है। दरअसल गणेश तत्ववेत्ता के आदर्श रूप हैं। गण के नेता में गुरुता और गंभीरता होनी चाहिए। उनके स्थूल शरीर में वह गुरुता निहित है। उनका विशाल शरीर सदैव सतर्क रहने तथा सभी परिस्थितियों एवं कठिनाइयों का सामना करने के लिए तत्पर रहने की भी प्रेरणा देता है। उनका लंबोदर दूसरों की बातों की गोपनीयता, बुराइयों, कमजोरियों को स्वयं में समाविष्ट कर लेने की शिक्षा देता है तथा सभी प्रकार की निंदा, आलोचना को अपने उदर में रख कर अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहने की प्रेरणा देता है। छोटा मुख कम, तर्कपूर्ण तथा मृदुभाषी होने का द्योतक है।

गणेश का व्यक्तित्व रहस्यमय हैं, जिसे पढ़ पाना एवं समझ पाना हर किसी के लिये संभव नहीं है। शासक भी वही सफल होता है जिसके मनोभावों को पढ़ा और समझा न जा सके। इस प्रकार अच्छा शासक वही होता है जो दूसरों के मन को तो अच्छी तरह से पढ़ ले परन्तु उसके मन को कोई न समझ सके। दरअसल वे शौर्य, साहस तथा नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। उनके हेरांब रूप में युद्धप्रियता का, विनायक रूप में यक्षों जैसी विकरालता का और विघ्नेश्वर रूप में लोकरंजक एवं परोपकारी स्वरूप का दर्शन होता है। गण का अर्थ है समूह। गणेश समूह के स्वामी हैं इसीलिए उन्हें गणाध्यक्ष, लोकनायक, गणपति आदि नामों से पुकारा जाता है। इसलिए गणेश चतुर्थी मनाना केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को पुष्ट करने का संकल्प है।

# काशी में बड़े गणेशः रिद्धि-सिद्धि संग छप्पन रूपों में विराजमान विघ्नहर्ता

-सुरेश गांधी

काशी, धर्म और अध्यात्म की नगरी, केवल बाबा विश्वनाथ की महिमा तक ही सीमित नहीं है। यहां उनके ज्येष्ठ पुत्र, विघ्नहर्ता गणपति भी अपनी पत्नी रिद्धि-सिद्धि और पुत्र शुभ-लाभ के साथ न केवल एक रूप में, बल्कि छप्पन (56) रूपों में विराजमान हैं। यही कारण है कि काशीवासी हर शुभ कार्य की शुरूआत बड़े गणेश के पूजन से करते हैं। मान्यता है कि श्री गणेश के इन छप्पन रूपों का दर्शन करने से जीवन के सभी विघ्न स्वतः दूर हो जाते हैं और साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। लोहटिया-कबीरचैरा स्थित ह्लबड़े गणेशह्व मंदिर को काशी का सिद्ध पीठ माना जाता है। यहां वृहदाकार, स्वयंभू श्री गणेश विग्रह विराजमान हैं। प्रतिमा के दाईं और बाईं ओर रिद्धि-सिद्धि की प्रतिमाएं चंवर लिए खड़ी हैं। मूषक और मयूर, दोनों वाहन प्रतिमा के सामने विराजमान हैं। यह दृश्य भक्तों को सहज ही यह आभास कराता है कि गणेशजी सवारी के लिए तैयार खड़े हैं। मंदिर का स्थापत्य और वातावरण श्रद्धालुओं को भक्ति, शक्ति और आस्था का अद्भुत अनुभव कराता है। यही कारण है कि काशीवासी ही नहीं, बल्कि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु भी यहां आकर अपनी श्रद्धा अर्पित करते हैं। ह्लजेहि सुमिरत सिधि होय, गणनायक करि वर वदन। करहु अनुग्रह सोई, बुद्धि राशि शुभ गुण सदन।। यहां प्रतिवर्ष भाद्र शुक्ल चैथ को गणेश जी की जयंती धूमधाम से मनायी जाती है। खास यह है कि 40 खंभों पर बना है बनारस का यह मंदिर. यह मंदिर बहुत ही सुंदर है और इसमें चालीस स्तंभ हैं।कहा जाता है कि गणेश जी की जो प्रतिमा है वो मोम की बनी हुई है, जिस पर सिंदूर और तिल तेल का लेप लगने से प्रतिमा विशाल हो गई है।मूर्ति स्वयंभू है और इसमें उनकी पत्नियाँ ऋद्धि और सिद्धि हैं। इसकी ऊँचाई साढ़े पाँच फीट है।

राजा देवोदास की कथा और गणेश का प्रताप

पौराणिक मान्यता के अनुसार, हजारों वर्ष पहले काशी पर राजा देवोदास का शासन था। घोर तपस्या से उन्होंने भगवान विष्णु को प्रसन्न कर वरदान प्राप्त किया। वरदान के प्रभाव से वे इतने अभिमानी हो गए कि उन्होंने काशी से सभी देवी-देवताओं और ऋषि-मुनियों को जाने का आदेश दे दिया। भगवान भोलेनाथ ने उनके अहंकार को तोड़ने के लिए अनेक देवताओं को भेजा, परंतु कोई सफल नहीं हुआ। तब गणेशजी स्वयं आए और अपने प्रताप से देवोदास की शक्ति को क्षीण कर दिया। तभी से गणेशजी काशी में विभिन्न रूपों में विराजमान होकर देवताओं और भक्तों की रक्षा करने लगे। लोहटिया स्थित स्वयंभू गणेश उसी परंपरा का आधार हैं।

गणेश चतुर्थी और कलंक चैथ

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को गणेशजी का जन्मदिन माना जाता है। यह पर्व गणेश चतुर्थी या कलंक चैथ के नाम से प्रसिद्ध है। शास्त्रों में इस दिन चंद्र दर्शन निषिद्ध बताया गया है, क्योंकि इसके दर्शन से मिथ्या कलंक का दोष लगता है। स्वयं भगवान श्रीकृष्ण भी इससे अछूते नहीं रह पाए थे। तुलसीदास ने चैथ के चंद्रमा को झूठा-कलंक का प्रतीक बताया। काशी में परंपरा है कि इस रात लोग बाहर न निकलें और चंद्र दर्शन से बचने के लिए घर-घर में प्रतीकात्मक पथराव किया जाता है।

पूजन विधि और विशेष महत्व

गणपति पूजन अत्यंत सरल माना गया है। गणेशजी दूर्वा, पत्र-पुष्प और मोदक से प्रसन्न हो जाते हैं। चंदन, केसर, इत्र, हल्दी, अबीर-गुलाल, गेंदे के फूल और बेलपत्र अर्पित करने का विधान है। मध्याह्न काल में पूजा करना श्रेष्ठ है क्योंकि मान्यता है कि गणेशजी का जन्म इसी समय हुआ था। गणेशजी को 21 संख्या विशेष प्रिय है। अतः 21 नामों के उच्चारण और 21 लड्डुओं का भोग विशेष फल देता है। इन 21 नामों में सुमुख, गजानन, लम्बोदर, वक्रतुंड, सिद्धिविनायक आदि प्रमुख हैं। पूजा में गेंदे के फूल, बेलपत्र, धतूरे के पुष्प और सिंदूर का विशेष महत्व है। अंत में गणेश, विष्णु और लक्ष्मी की आरती कर प्रसाद का वितरण किया जाता है।

छप्पन विनायकः काशी की अद्भुत धरोहर

लोहटिया के बड़े गणेश के अतिरिक्त काशी में 56 स्थानों पर गणपति के विविध रूप प्रतिष्ठित हैं। कहते है इन सभी छप्पन विनायकों के दर्शन से भक्तों के जीवन से संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। इनमें प्रमुख हैं,

दुर्गा विनायक (दुगाकुंड)
चिंतामणि गणेश (सोनारपुरा व ईश्वरगंगी)
अक्षय विनायक (दशाश्वमेध घाट)
अविमुक्त विनायक (ज्ञानवापी)
चित्रघंट विनायक (घंटा देवी)
दंतहस्त विनायक (बड़ा लोहटिया)
त्रिमुख विनायक (चैक)
द्वार विनायक (मणिकर्णिका घाट)
ज्ञान विनायक (खोजवा)

उत्सव और विसर्जन

गणेश चतुर्थी से आरंभ यह उत्सव दस दिनों तक चलता है। घरों और पंडालों में गणेश प्रतिमा स्थापित की जाती है। दसवें दिन अनंत चतुर्दशी पर भव्य शोभायात्रा के साथ मूर्तियों का जल में विसर्जन किया जाता है। सामर्थ्य के अनुसार कुछ भक्त डेढ़ या तीन दिन बाद भी गणपति विसर्जन करते हैं।

ज्योतिषीय संयोग

इस वर्ष गणेश चतुर्थी हस्त नक्षत्र, शुक्रवार और विशेष योग में पड़ रही है। शुक्र के साथ हस्त नक्षत्र का संयोग अमृत योग बनाता है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इस दिन गणेश स्थापना से परिवार में मानसिक शांति, शक्ति का संचार और रिद्धि-सिद्धि की कृपा प्राप्त होगी।

गणेश चतुर्थी और काशी

भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी को गणेशजी की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। इस दिन गणपति उत्सव का शुभारंभ होता है, जो दस दिनों तक चलता है। मंदिरों और घरों में प्रतिमाओं की स्थापना होती है, भजन-कीर्तन और श्रृंगार होते हैं, और दसवें दिन अनंत चैदस को गणेश विसर्जन किया जाता है।

चंद्र दर्शन का निषेध

इस दिन चंद्र दर्शन वर्जित है, क्योंकि मान्यता है कि चंद्रमा को देखने से मिथ्या कलंक लगता है। स्वयं भगवान कृष्ण भी इस दोष से नहीं बच पाए थे। तुलसीदास ने चैथ के चाँद को उपेक्षित कर कहा है,

ह्लसो परनारि लिलार गोसाईं, तजउ चैथि के चंद की नाईं।

गणेशजी का जन्म प्रसंग

शिवपुराण के अनुसार माता पार्वती ने स्नान से पूर्व अपने मैल से एक बालक की रचना की और उसे द्वारपाल नियुक्त किया। जब भगवान शिव आए तो बालक ने उन्हें रोका। शिव ने क्रोधवश उसका सिर काट दिया। पार्वती के दुख को दूर करने के लिए शिव ने गजमुख लगाकर बालक को पुनर्जीवित किया और उसे अग्रपूज्य बना दिया। यही बालक गणेश कहलाए। ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित कर-के अग्रपूज्य होने का वरदान दे दिया। इसीलिए चतुर्थी को व्रत करने वाले के सभी विघ्न दूर हो जाते है। स्कन्द पुराण के अनुसार श्री कृष्ण युधिष्ठिर संवाद में भाद्रपद शुक्ल चतुर्थी की बड़ी महिमा बताई गई है। इस चतुर्थी तिथि को श्री गणेश जी का जन्म बताया गया है। इस दिन की उपासना से गणपति भगवान अपने उपासकों के संपूर्ण कार्यों को पूर्ण करते हैं। श्री गणेश के विशेष व्रत वट गणेश व्रत इस व्रत में वट वृक्ष के नीचे बैठ कर पूजा की जाती है। यह उ×म व्रत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी से माघ शुक्ल चतुर्थी तक किया जाता है। तिल चतुथी यह उ×म व्रत माघ शुक्ल चतुर्थी को किया जाता है। इस व्रत में मात्र तिल के मोदकों (लड्डुओं) का भोग लगता है।

व्रत और ज्योतिषीय महत्व

गणेश चतुर्थी का व्रत करने से सभी विघ्न नष्ट हो जाते हैं। यह तिथि मंगलवार या रविवार को पड़ने पर और भी फलदायी होती है। इस बार गणेश स्थापना हस्त नक्षत्र और विशेष ग्रहयोग में हो रही है। मान्यता है कि इस योग में स्थापना करने से परिवार में मानसिक शांति और शक्ति का संचार होता है।

काशी में गणेश उत्सव की भव्यता

गणेश चतुर्थी से अनंत चैदस तक काशी गणेशमय रहती है। बड़े गणेश मंदिर और अन्य विनायक स्थलों पर भव्य श्रृंगार होता है। श्रद्धालुओं का तांता दिन-रात लगा रहता है। गली-मोहल्लों में गणेश पंडाल सजते हैं, जिनमें सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। काशी में बड़े गणेश और उनके छप्पन रूप न केवल श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र हैं, बल्कि यह भी संदेश देते हैं कि हर शुरूआत, हर कार्य, हर संकल्प तभी सफल होता है जब उसमें विघ्नहर्ता का आशीर्वाद शामिल हो। यही कारण है कि काशीवासी हर मंगल कार्य से पहले बड़े गणेश का स्मरण करते हैं और कहते हैं, ह्लगणपति बप्पा मोरया, मंगलमूर्ति मोरया।ह्व

देवताओं में प्रथम पूज्य है श्रीगणेश

भगवान गणेश समस्त देवी देवताओं में सबसे पहले पूजे जाने वाले देवता हैं। इनकी उपासना करने से सभी विघ्नों का नाश होता है तथा सुख-समृद्ध व ज्ञान की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि जब ब्रम्हाजी के सृष्टि निर्माण के समय निरंतर बाधाएं आ रही थीं। तब वे विघ्न विनाशक श्री गणेश जी के पास प्रार्थना लेकर पहुंचे। ब्रम्हाजी की स्तुति से प्रसन्न भगवान गणेश ने उनसे वर माँगने को कहा। ब्रम्हाजी ने सृष्टि के निर्माण के निर्विघ्न पूर्ण होने का वर माँगा। गणेश जी ने तथास्तु कहा और आकाश मार्ग से पृथ्वी पर आने लगे। मार्ग में चंद्रलोक आया, जहाँ चंद्रमा ने श्री गणेश जी का उपहास उडाया। चंद्रमा को अपने सौंदर्य के मद में चूर देखकर श्री गणेश ने उन्हें श्राप दिया कि आज के दिन तुम्हें कोई नहीं देखेगा और यदि देखेगा तो वह मिथ्या कलंक का भागी होगा। चंद्रमा लज्जित होकर छिप गए। ब्रम्हाजी के कहने पर देवताओं ने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी के दिन गणेश जी की पूजा की और चंद्रमा को क्षमा करने की प्रार्थना की। इस स्तुति से प्रसन्न होकर गणेश जी ने कहा कि जो शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के चंद्र के दर्शन करेगा और चतुर्थी को विधिवत गणेश पूजन करेगा उसे चतुर्थी के चंद्र दर्शन का दोष नहीं लगेगा। उस दिन भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की चतुर्थी थी। इसलिए इस तिथि को गणेश उत्सव मनाया जाता है।

**काशी के बड़े गणेश केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और पौराणिक परंपरा का जीवंत केंद्र हैं। यहां विघ्नहर्ता स्वयं छप्पन रूपों में विराजमान होकर भक्तों को आशीर्वाद देते हैं। यही कारण है कि काशीवासी हर शुभ कार्य की शुरूआत गणपति वंदना से करते हैं। कहते है ह्वगणेश चतुर्थीह्व को ही विघ्नहर्ता मंगलमूर्ति भगवान श्रीगणेश अपने भक्तों को बुद्धि व सौभाग्य प्रदान करने के लिए पृथ्वी पर प्रकट हुए थे। गणेश चतुर्थी पर जब संपूर्ण काशी गणेशमय हो उठती है, तो यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और भक्ति का ऐसा उत्सव होता है जो काशी की पहचान को और भी अद्वितीय बना देता है। कहते है काशी के 56 गणेश रूपों का दर्शन करने से हर विघ्न का नाश होता है। लोहटिया स्थित बड़े गणेश मंदिर को सिद्धपीठ माना जाता है। गणेश चतुर्थी पर चंद्र दर्शन से बचने की परंपरा आज भी काशी में जीवित है। 21 नामों और 21 लड्डुओं का भोग गणेश पूजन का विशेष अंग है। अनंत चतुर्दशी को भव्य शोभायात्रा के साथ होता है गणपति विसर्जन।**

# क्यों पिछड़ रही है पशु चिकित्सा सेवाएँ

-डॉ. प्रियंका सौरभ

-प्रियंका सौरभ

भारत में पशुपालन केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ ही नहीं है बल्कि यह करोड़ों परिवारों की आजीविका का प्रमुख आधार भी है। दूध, मांस, अंडे, ऊन और अन्य पशु उत्पादों की आपूर्ति के साथ-साथ यह क्षेत्र किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार सृजन का एक सशक्त साधन है। लेकिन विडंबना यह है कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र को संवारने वाले पशु चिकित्सकों की भारी कमी से आज देश जूझ रहा है। हाल ही में संसद में पूछे गए प्रश्न और सरकार द्वारा दिए गए उत्तर से यह तथ्य सामने आया कि देशभर में पशु चिकित्सकों के कुल 38,916 स्वीकृत पदों में से 10,839 पद रिक्त पड़े हुए हैं। यह लगभग 28 प्रतिशत रिक्तता है, जो सीधे-सीधे पशु स्वास्थ्य सेवाओं पर नकारात्मक असर डालती है।

पशु चिकित्सक केवल पशुओं का इलाज ही नहीं करते, बल्कि वे पशुधन से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम, टीकाकरण, कृत्रिम गभार्धान, प्रजनन संबंधी परामर्श और वैज्ञानिक तकनीकों के प्रसार में भी अहम भूमिका निभाते हैं। उनके अभाव में न केवल पशुपालकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है बल्कि देश की दुग्ध और मांस उत्पादन क्षमता पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

केंद्र सरकार द्वारा दिए गए आँकड़े बताते हैं कि विभिन्न राज्यों में पशु चिकित्सकों की कमी कितनी गंभीर है। महाराष्ट्र में 4685 स्वीकृत पदों में से 3072 पद खाली हैं। कर्नाटक में 3317 स्वीकृत पदों में से 1156 रिक्त हैं। बिहार में 2067 पदों में से 860 खाली पड़े हैं। राजस्थान में 3691 में से 1367 पद रिक्त हैं। उत्तर प्रदेश में 1984 में से 506 पद खाली हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ राज्यों जैसे मेघालय और लक्षद्वीप में कोई भी रिक्ति नहीं है। लेकिन देश के बड़े और कृषि प्रधान राज्यों में स्थिति बेहद चिंताजनक है। कुल मिलाकर 38,916 स्वीकृत पदों के मुकाबले 10,839 रिक्तियाँ यह दशार्ती हैं कि लगभग हर तीसरा पद खाली है। यह आँकड़ा किसी भी देश के पशु स्वास्थ्य ढाँचे के लिए खतरे की घंटी है।

इतनी बड़ी संख्या में पदों के रिक्त रहने से ग्रामीण क्षेत्रों में पशु चिकित्सा सेवाएँ बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। खासकर छोटे और सीमांत किसानों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ता है, जिनकी आजीविका पूरी तरह से पशुपालन पर निर्भर है। आपात स्थिति में बीमार या घायल पशु के लिए समय पर डॉक्टर न मिल पाना पशुपालकों के लिए गंभीर संकट बन जाता है। मुंहपका-खुरपका, ब्रूसेलोसिस, बर्ड फ्लू जैसी संक्रामक बीमारियों से निपटना मुश्किल हो जाता है। पर्याप्त पशु चिकित्सक न होने से बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रमों की गति धीमी हो जाती है। पशुओं की समय पर देखभाल न होने से दूध और मांस उत्पादन घटता है, जिससे किसानों की आय पर सीधा असर पड़ता है। और जूनोटिक बीमारियाँ जैसे रैबीज या एवियन फ्लू का खतरा भी बढ़ता है। सरकार ने यह स्वीकार किया है कि पशु चिकित्सकों की नियुक्ति राज्यों का विषय है। केंद्र सरकार केवल दिशानिर्देश और वित्तीय सहयोग प्रदान करती है। इसी क्रम में लाइवस्टॉक हेल्थ एंड डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम के तहत मोबाइल वेटरनरी यूनिट्स चलाए जाते हैं, जो गाँव-गाँव जाकर पशुपालकों को स्वास्थ्य सेवाएँ देते हैं। अभी तक 29 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 8191 मोबाइल इकाइयाँ कार्यरत हैं। किसानों के लिए 1962 नंबर की टोल-फ्री हेल्पलाइन भी शुरू की गई है। ये प्रयास निश्चित रूप से उपयोगी हैं, लेकिन इनसे स्थायी समाधान की उम्मीद नहीं की जा सकती क्योंकि मोबाइल इकाइयाँ नियमित पशु चिकित्सक का विकल्प नहीं बन सकतीं। इस समस्या की जड़ गहराई से समझने पर पता चलता है कि सबसे बड़ा कारण भर्ती प्रक्रिया में देरी है। अधिकांश राज्यों में चयन आयोगों और भर्ती एजेंसियों की धीमी गति के कारण वर्षों तक पद खाली रह जाते हैं। इसके अलावा पशुपालन की बढ़ती जरूरतों के बावजूद नए पदों का सृजन नहीं हो रहा। ग्रामीण क्षेत्रों में सेवा के प्रति पशु चिकित्सकों की अनिच्छा और शैक्षणिक संस्थानों की सीमित संख्या भी समस्या को और जटिल बनाती है। कई बार वेतन और सुविधाओं का स्तर भी इस पेशे को युवाओं के लिए आकर्षक नहीं बनाता।

यदि भारत को पशुपालन क्षेत्र को मजबूत बनाना है और किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य पाना है, तो पशु चिकित्सकों की कमी को दूर करना अनिवार्य है। राज्यों को तत्काल रिक्त पदों को भरने के लिए विशेष भर्ती अभियान चलाना होगा और केंद्र सरकार को इसमें सहयोग करना होगा। नए पदों का सृजन आवश्यक है ताकि बढ़ती मांग और पशुधन की संख्या के अनुपात में सेवाएँ उपलब्ध हो सकें। पशु चिकित्सा शिक्षा का भी विस्तार जरूरी है। नए कॉलेज खोले जाएँ, मौजूदा कॉलेजों की सीटें बढ़ाई जाएँ और आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए। ग्रामीण सेवा के लिए पशु चिकित्सकों को प्रोत्साहन देना होगा। उन्हें अतिरिक्त भत्ता, आवास, परिवहन सुविधा और पदोन्नति में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल भी इस क्षेत्र को मजबूत बना सकता है। टेलीमेडिसिन, मोबाइल ऐप्स और वर्चुअल परामर्श के माध्यम से किसानों तक त्वरित सेवा पहुँचाई जा सकती है।

## लल्लन तिवारी ने किया 180 हाई परफार्मेंस कंप्यूटर लैब का उद्घाटन

**भायंदर (उत्तरशक्ति)।** देश के प्रतिष्ठित संस्थान राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने आज श्री एल आर तिवारी एजुकेशनल कैंपस में 180 हाई परफार्मेंस कंप्यूटर वाले अत्याधुनिक सेंट्रल आईटी लैब का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राहुल एजुकेशन के सीओओ उत्सव तिवारी, प्राचार्य डॉ संजय मिश्रा, प्राचार्य डॉ उमेश भदाड़े, हेड ऑफ आउटरीच प्रोग्राम विकास तिवारी, निदेशक डॉ मयूर दुबे, रजिस्ट्रार संतोष हुबाले, डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ धीरज सिंह समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। यह भव्य आईटी हब छात्रों में नवाचार, डिजिटल लर्निंग और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाया गया है, ताकि वे आज की तेजी से विकसित हो रही तकनीकी दुनिया में हमेशा आगे रहें।

इसका लाभ श्री एल. आर. तिवारी डिग्री कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस,श्री एल. आर. तिवारी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, राहुल कॉलेज ऑफ एजुकेशन तथा श्री एल. आर. तिवारी कॉलेज ऑफ लॉ में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को मिलेगा। लल्लन तिवारी ने कहा कि यह पहल हमारे शिक्षा में उत्कृष्टता, तकनीकी एकीकरण और समग्र छात्र विकास के प्रति अटूट समर्पण को दर्शाती है।

## भिवंडी मनपा और पुलिस विभाग की यातायात जाम को लेकर बैठक

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** शहर में यातायात जाम की समस्या को लेकर पुलिस विभाग और मनपा प्रशासन की एक संयुक्त बैठक मनपा कांफ्रेन्स हाल में आयोजित की गयी। भिवंडी मनपा के प्रशासक व आयुक्त अनमोल सागर ने मनपा के सभी बांधकाम अभियंताओं को रास्ता दुरुस्ती के लिए युद्ध स्तर पर कार्य करने का आदेश देते हुये कहा किबरसात के कारण हुये गड्ढो को भरने से काफी हद तक जाम की समस्या का समाधान होगा। इस बैठक में शहर में यातायात की समस्या से निपटने के उपायों पर चर्चा पर पुलिस उपायुक्त (यातायात) ने बताया कि शहर में 800 सीसीटीवी कैमरे चालू हैं जिनके माध्यम से विपरीत दिशा में वाहन चलाने वाले वाहन चालकों और सड़क के किनारे वाहन पार्क करने वाले वाहन मालिकों पर कार्रवाई करने का आदेश यातायात विभाग को दिया है। इसके बावजूद भी सुधार नहीं होने पर पुलिस उपायुक्त (यातायात) ने यातायात पुलिस को नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने मनपा आयुक्त से मांग की है कि महानगरपालिका शहर में यातायात नियमों के पालन के लिए ट्रैफिक वार्डन की नियुक्ति करे। इस बैठक में पुलिस उपायुक्त शशिकांत बोराड़े, अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, पुलिस उपायुक्त (वाहतुक) पंकज शिरसाठ, उपायुक्त (मुख्यालय) विक्रम दराडे, सहायक पुलिस आयुक्त सचिन सांगले, सहायक पुलिस आयुक्त मराठे, सहायक पुलिस आयुक्त (वाहतुक) शरद ओहोल, पुलिस निरीक्षक किशोर खरात, शहर अभियंता जमील पटेल, सभी प्रभाग अधिकारी और बांधकाम विभाग के अभियंता उपस्थित रहे।

## बोईसर पूर्व की बिजली समस्या पर मनसे सख्त, अतिरिक्त स्टाफ की होगी तैनाती

**पालघर (उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)।** बोईसर शहर पूर्व क्षेत्र में लगातार बढ़ रही बिजली समस्या अब लोगों के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। आगामी गणेश उत्सव और महाराष्ट्र राज्य उत्सव को ध्यान में रखते हुए यहां के एमएसईबी (महाराष्ट्र स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड) के लाइनमैन और कर्मचारियों पर कार्यभार कई गुना बढ़ गया है। उन्हें रोजाना 16-16 घंटे तक काम करना पड़ रहा है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। इस समस्या को देखते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का शिष्टमंडल मंगलवार को बोईसर एमएसईबी कार्यालय पहुंचा। मनसे पदाधिकारियों ने अधिकारियों को लिखित पत्र सौंपते हुए मांग की कि बोईसर पूर्व क्षेत्र में अतिरिक्त बिजली कर्मचारियों की तत्काल नियुक्ति की जाए। मनसे ने कहा कि त्योहारों के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित न हो और कर्मचारियों पर अतिरिक्त बोझ न पड़े, इसके लिए तुरंत कदम उठाना जरूरी है। एमएसईबी अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि समस्या का संज्ञान लेकर त्वरित कार्यवाही की जायेगी। अधिकारियों ने कहा कि अतिरिक्त कर्मचारियों की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी, जिससे त्योहारों के दौरान क्षेत्र की बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहे और कर्मचारियों को भी राहत मिले। इस अवसर पर मनसे पालघर उपतहसील अध्यक्ष सत्यम मिथिलेश मिश्रा, मनविसे विभाग प्रमुख सचिन पाटील, शाखा अध्यक्ष मुश्ताक खान, महाराष्ट्र सैनिक राहुल मिश्रा, अजय व राकेश आदि उपस्थित रहे।

## बकाया कर्जदारों को राहत, 50% ब्याज माफी का मौका

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** पिछड़ा वर्ग के लोगों को स्व-रोजगार के लिए आसान शर्तों पर ऋण देने वाले शामराव पेजे कोकण पिछड़ा वर्ग आर्थिक विकास महामंडल मर्यादित, मुंबई ने बकाया कर्जदारों के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है। महामंडल की पालघर जिला शाखा की ओर से बताया गया है कि जिन लाभार्थियों का कर्ज अब तक बकाया है, उन्हें विशेष योजना के अंतर्गत बकाया ब्याज राशि पर 50 प्रतिशत तक की छूट दी जायेगी। यह राहत वन टाइम सेटलमेंट (ओ टी एस) योजना के तहत दी जा रही है। इसके लिए लाभार्थियों को अपना मूलधन और शेष ब्याज राशि एकमुश्त जमा करनी होगी। योजना का लाभ 31 मार्च 2026 तक लिया जा सकता है। महामंडल ने अपील की है कि कर्जदार इस अवसर का लाभ उठाकर अपने ऋण खाते बंद करें, कर्जमुक्त बनें और संभावित कानूनी कार्रवाई से बचें। इस संदर्भ में अधिक जानकारी के लिए लाभार्थी जिला कार्यालय, पालघर के जिला प्रबंधक एन. वी. नार्वेकर से संपर्क कर सकते हैं।

# रविन्द्र चव्हाण और स्नेहा दुबे की उपस्थिति में अन्य पार्टी का भाजपा में प्रवेश

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय, नरीमन पॉइंट, मुंबई में वसई विधानसभा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों का भव्य जनसभा प्रवेश, राष्ट्रहित में भाजपा परिवार में शामिल हों और भारतीय जनता पार्टी के विकासोन्मुखी कार्यों और नेतृत्व में विश्वास रखते हुए, अनेक गणमान्य व्यक्तियों, समाजसेवियों और विभिन्न दलों के पदाधिकारियों ने आज, मंगलवार, 26 अगस्त 2025 को भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय, मुंबई में भव्य जनसभा प्रवेश किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी , महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस , भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण और वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित के कार्यों एवं विकास कार्यों से प्रभावित होकर, बहुजन विकास अघाड़ी के पूर्व नगरसेवक सरदार छोटू आनंद, समाजसेवी राजू इसाई, और विशेष कार्याधिकारी सरदार रविन्द्र सिंह आनंद, युवा कांग्रेस के पूर्व महासचिव करणदीप सिंह अरोड़ा, साथ ही प्रतिष्ठित व्यवसायी, पूर्व अधिकारी और समाज के विभिन्न वर्गों के गणमान्य व्यक्ति आज सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए।

इस पार्टी प्रवेश समारोह में व्यवसायी सरदार चरणजीत सिंह सभरवाल, होटल व्यवसायी सरदार गुरजिंदर सिंह चावला, पूर्व वायुसेना अधिकारी सरदार सुकदेव सिंह, सरदार भूपिंदर सिंह, पंजाबी संस्कृति समाज के संस्थापक सरदार मंजीत लांबा, पूर्व मर्चेंट नेवी अधिकारी सरदार दिलबाग सिंह, सरदार गुरजीत सिंह छाबड़ा, सरदार जसमीत सिंह छाबड़ा, सरदार भूपिंदर सिंह हंसपाल के साथ ही केरल समाज के सुरेंद्र नायर भी भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए। प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र चव्हाण और मैंने सभी नए कार्यकताओं का हार्दिक स्वागत किया और उनसे पार्टी के राष्ट्रीय और सामाजिक हितों के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इस समारोह में मेरे साथ नवनाथ बान, भाजपा वसई विरार शहर जिला महासचिव बिजेंद्र कुमार, श्रीमती अपर्णा पाटिल, पूर्व नगरसेवक दिनेश भानुशाली, संतोष घाग, मिकी आनंद और बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## सनटेक वर्ल्ड नायगांव में गणेश चतुर्थी उत्सव का आयोजन

**मुंबई।** मुंबई के पश्चिमी उपनगरों की सबसे बड़ी एकीकृत टाउनशिप, सनटेक वर्ल्ड में 27 अगस्त से 5 सितंबर, 2025 तक 11 दिन गणेश चतुर्थी उत्सव का आयोजन होगा। बेहतरीन शाही थीम के साथ पंडाल में स्थापित 9 फीट ऊंची मूर्ति, महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती है। सनटेक वर्ल्ड के गणेशोत्सव में सभी शामिल हो सकते हैं। यहां हर दिन आरती, प्रसाद वितरण और समुदायों के लिए अलग-अलग गतिविधियां होंगी। इस पहल के माध्यम से एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव की भावना को बढ़ावा देना और जीवंत, समावेशी समुदायों के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करना सनटेक रियल्टी का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम का समापन एक भव्य विसर्जन जुलूस के साथ होगा।

## भावना पिल्ले का जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा किया गया सम्मान

**आचार्य सूरजपाल यादव**

**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** एच डी एफ सी लाइफ कल्याण ब्रांच की मैनेजर भावना पिल्ले व बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर सरोज चौहान अपने व्यवसायिक कार्य के लिए भिवंडी आगमन पर जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट के फेनापाडा कार्यालय पर किया गया स्वागत । बतादें कि भावना पिल्ले ब्राच मैनेजर के साथ व्यवसायिक व सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर अग्र भूमिका निभाती रहती हैं उनके कार्यों को देखते हुये जन कल्याण के संस्थापक/अध्यक्ष मंगेश यादव ने अपने जनसंपर्क कार्यालय पर जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट की डायरी व शाल देकर सम्मानित किया ।

इस अवसर पर पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव की विशेष उपस्थिति रही है ।

# गणेशोत्सव को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में स्वास्थ्य शिविरों पर बैठक सम्पन्न

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** आगामी गणेशोत्सव के अवसर पर नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने और जनजागृति अभियान को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे ने की। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 27 अगस्त से 5 सितम्बर 2025 तक जिलेभर में मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर, रोग-प्रतिबंधक उपाय और स्वास्थ्य जनजागृति अभियान चलाए जाएंगे। इन शिविरों के माध्यम से नागरिकों को समय पर उपचार, बीमारियों से बचाव और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

बैठक में जिला शल्य चिकित्सक डॉ. रामदास मारड, सहायक जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शशिकांत सालुंखे, अन्न व औषध प्रशासन विभाग से श्री घरोटे, महात्मा ज्योतिराव फुले जनआरोग्य अभियान (एमजेपीजेएवाई) के समन्वयक डॉ. निवृत्ती मेघा, मुख्यमंत्री सहायता निधि (सीएमआरएफ) पालघर के वैद्यकीय अधिकारी डॉ. कृपेश बाबरेकर, कर्मचारी अक्षय मेरे व हरीश जाधव सहित विभिन्न अस्पतालों के प्रतिनिधि तथा गणेशोत्सव मंडलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

## सीआईएससीई जोनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 हर्षोल्लास के साथ संपन्न

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** सीआईएससीई जोनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 का आयोजन सेठ जुग्गीलाल पोद्दार अकॅडमी, मालाड (पूर्व), मुंबई में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस स्पर्धा में कुल 18 विद्यालयों ने भाग लिया, और विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया।

इस स्पर्धा के सफल आयोजन में विद्यालय की प्राचार्या रेखा आनंद तथा क्रीड़ा विभाग प्रमुख जागृति पाटिल का निरंतर सहयोग और समर्थन प्राप्त हुआ। उनके मार्गदर्शन से संपूर्ण स्पर्धा सुव्यवस्थित और सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

स्पर्धा का संपूर्ण आयोजन और देखरेख अंतरराष्ट्रीय पंच एवं प्रशिक्षक जयेश वेल्हाळ सर तथा उनके सहयोगी शिवा स्वामी के नेतृत्व में की गई। उनके योजनाबद्ध संचालन और उत्कृष्ट व्यवस्थापन के कारण यह स्पर्धा अत्यंत सफल रही।

पंच समिति प्रमुख के रूप में निशांत शिंदे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संपूर्ण स्पर्धा को नियमबद्ध और निष्पक्ष रूप से संचालित किया। यह स्पर्धा विद्यार्थियों के लिए केवल एक प्रतियोगिता न होकर अनुशासन, आत्मविश्वास और खेलभावना को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हुई। इस स्पर्धा के विजेता खिलाड़ियों को आगामी राज्यस्तरीय स्पर्धा में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

## घरों में चोरी सेंधमारी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

- 12 .5 लाख रुपए के आभूषण बरामद
- मुख्य सरगना फरार पुलिस की तलाश जारी

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण के आस-पास क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए कल्याण की महत्मा फुले पुलिस ने एक महिला सहित दो चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से साढ़े बारह लाख का सोने-चांदी के जेवरात और चांदी के सिक्के बरामद हुए हैं, जबकि तीसरा मुख्य सरगना की तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम साजिद अकबर शेख और प्रीति रितेश कदम बताया जा रहा है। कल्याण के डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि 16 अप्रैल की दोपहर कल्याण (पूर्व) के वालधुनी परिसर में एक मकान का ताला तोड़कर 12 लाख 69 हजार रुपए की चोरी हुई थी। इस घटना के बाद महात्मा फुले पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक बलिरामसिंह परदेशी के मार्गदर्शन में जांच के लिए सहायक पुलिस निरीक्षक स्वप्निल भुजबल की विशेष टीम बनाई गई। जांच दल ने आस-पास में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की। जिसमें पता चला कि चोर एक काले रंग की स्कूटर से आए थे। उसके बाद गाड़ी का पता लगाया गया। स्कूटर का पता लगने के बाद एपीआई स्वप्निल भुजबल की टीम नालासोपारा और वसई से साजिद अकबर शेख और प्रीति कदम को गिरफ्तार कर सारे आभूषण बरामद कर लिए। महात्मा फुले पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

## टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित 25 वर्षीय मरीज का सफलतापूर्वक पैंक्रियाज-किडनी ट्रांसप्लांट

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने कोलकाता के 25 वर्षीय छात्र ऋषि शर्मा को नई जिंदगी दी है। ऋषि तीन साल की उम्र से टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित थे। यहां डॉक्टरों ने उनकी साइमल्टेनियस पैंक्रियाज-किडनी (एसपीके) ट्रांसप्लांट सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। अब उन्हें इंसुलिन के इंजेक्शन और डायलिसिस से मुक्ति मिल गई है। चार घंटे चली इस जटिल सर्जरी को डॉक्टरों की मल्टीडिसिप्लिनरी टीम ने अंजाम दिया। इस टीम का नेतृत्व नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के नेफ्रोलॉजी के सीनियर डायरेक्टर एवं रीनल ट्रांसप्लांट मेडिसिन के चीफ कंसल्टेंट डॉ. जतिन कोठारी और लिवर एंड मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के डायरेक्टर डॉ. गौरव चौबल ने किया। ऋषि को बचपन से ही दिन में कई बार इंसुलिन का इंजेक्शन लेना पड़ता था। धीरे-धीरे अनियंत्रित डायबिटीज के कारण उन्हें कई अन्य परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। उनकी आंखों को डायबिटीज के कारण नुकसान पहुंचा था और उनका शारीरिक विकास भी बाधित हो गया था। तीन साल पहले वह किडनी फेल्योर के आखिरी स्टेज पर पहुंच गए और डायलिसिस पर निर्भर हो गए। डायलिसिस के बाद भी उनकी हालत बिगड़ती जा रही थी। तब उनके परिवार ने नानावटी मैक्स हॉस्पिटल से संपर्क किया। पूरी जांच के बाद सामने आया कि स्वस्थ जीवन के लिए उनकी साइमल्टेनियस पैंक्रियाज-किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी करनी होगी। इसके बाद उन्हें ऑर्गन ट्रांसप्लांट की वेटलिस्ट में रजिस्टर कर दिया गया। छह महीने बाद उनसे सर्जरी के लिए संपर्क किया गया। 41 वर्षीय एक व्यक्ति के अंगदान से यह संभव हुआ। उस व्यक्ति के सिर में ब्लीडिंग के कारण नानावटी मैक्स हॉस्पिटल में ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था। उनके परिवार ने अंगदान के लिए सहमति दी। उनके पैंक्रियाज, दोनों किडनी, लिवर और हार्ट को ट्रांसप्लांट के लिए सही पाया गया। उनकी किडनी और पैंक्रियाज ऋषि से मैच कर गए। नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के नेफ्रोलॉजी के सीनियर डायरेक्टर और रीनल ट्रांसप्लांट मेडिसिन के चीफ कंसल्टेंट डॉ. जतिन कोठारी ने कहा, ह्यडायबिटिक किडनी फेल्योर के हर मरीज में यह साइमल्टेनियस सर्जरी संभव नहीं होती है। यह पैंक्रियाज-किडनी ट्रांसप्लांट ऐसे मरीजों के लिए ही संभव है, जिन्हें इंसुलिन-डिपेंडेंट टाइप-1 डायबिटीज है और जो एंड-स्टेज किडनी डिसीज से जूझ रहे हैं। दोनों अंगों के ट्रांसप्लांट से न केवल उनकी किडनी फेल होने की समस्या का समाधान हुआ, बल्कि मूल बीमारी भी दूर हो गई। इससे अब इंसुलिन पर उनकी निर्भरता खत्म हो गई है। इस सर्जरी में चार घंटे का समय लगा और ऑपरेशन के 21 दिन बाद मरीज को डिस्चार्ज कर दिया गया। सर्जरी करने वाले नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मुंबई के लिवर एंड मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट डायरेक्टर डॉ. गौरव चौबल ने कहा, ह्ययह एक सराहनीय कदम है कि दुख के क्षणों में एक परिवार ने अंगदान का फैसला लिया और ऑर्गन फेल्योर से जूझ रहे चार लोगों की जान बचा ली। यह मामला अंगदान की ऐसी पहल के साथ-साथ अनुभव, टेक्नोलॉजी एवं क्लीनिकल गवर्नेंस से लैस नानावटी मैक्स जैसे अस्पतालों के महत्व को दर्शाता है। नानावटी मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड-स्टेज डिसीज से जूझ रहे मरीजों के लिए सफलतापूर्वक मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट प्रोग्राम का संचालन कर रहा है। यह अस्पताल पूरे भारत में मरीजों के लिए एडवांस्ड ट्रांसप्लांट की व्यवस्था को विस्तार देने के लिए प्रतिबद्ध है।

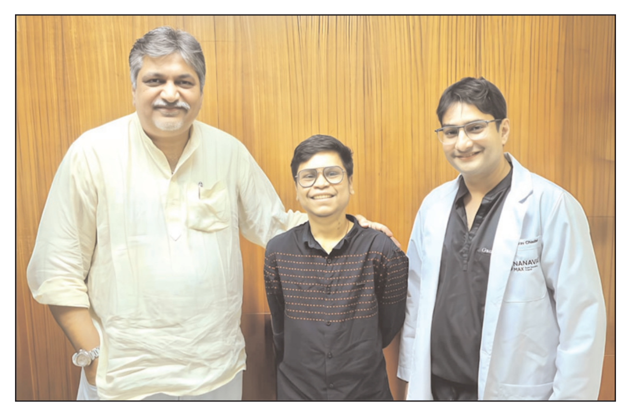

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

## भाजपा द्वारा कोकण के गणेश भक्तों के लिए मुफ्त बस सेवा

**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** कोकण इलाके में गणेश उत्सव हर साल बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस अवसर पर मुंबई से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कोकण की ओर रवाना होते हैं। हर वर्ष विभिन्न राजनीतिक पार्टियों की ओर से इन गणेश भक्तों के लिए विशेष बस सेवाओं का आयोजन किया जाता है।

इस वर्ष भी गणेश भक्तों की सुविधा के लिए मुफ्त बस सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं। घाटकोपर (पूर्व) में भारतीय जनता पार्टी के विधायक पराग शाह की ओर से कोकण के लिए बसें रवाना की गईं। ये बसें कणकवली होते हुए कुडाळ और नांदगाव होते हुए मालवण तक जाएंगी। इन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस मौके पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक राय,संजय दरेकर, रचित त्रिवेदी, अनु खत्री, गीता जाधव, अजय बागल, बस प्रमुख विना लाड, दीपा गोलतकर, प्रफुल चौधरी और रागिणी करावडे आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर संजय गजानन दरेकर और राजेश रापार्टी द्वारा कोकण जा रहे गणेश भक्तों को पूजा सामग्री भी वितरित की गई।

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# दूसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

## युवती के परिजनों को हर सम्भव सहयोग व सहायता का आश्वासन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में दिनांक- 25.08.2025 को थाना कोतवाली अन्तर्गत हुई घटना के संबन्ध में दूसरे दिन भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी।

दिनांक 25.08.2025 को थाना कोतवाली अन्तर्गत मछलीशहर पड़ाव क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण जलजमाव हो गया। जिसके चलते एक युवती खुले नाले में बह गई। इस घटना की जानकारी प्राप्त होते ही पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा तत्काल मौके पर पहुँचकर स्थिति का जायजा लिया गया तथा जिला प्रशासन, नगर निगम, फायर ब्रिगेड एवं जनपदीय पुलिस बल की संयुक्त टीम को सक्रिय कर व्यापक रेस्क्यू ऑपरेशन प्रारंभ कराया गया।

आज दिनांक-26.08.2025 को दूसरे दिन भी पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में लगातार रेस्क्यू अभियान संचालित किया गया। टीम द्वारा नाले व आसपास के क्षेत्र में व्यापक खोजबीन की जा रही है। इस दौरान स्थानीय लोगों एवं रेस्क्यू एक्सपर्ट्स की मदद भी ली जा रही है। पुलिस अधीक्षक स्वयं मौके पर मौजूद रहकर रेस्क्यू कार्य की निगरानी कर रहे हैं। संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं तथा युवती के परिजनों को हर सम्भव सहयोग व सहायता का आश्वासन दिया गया। रेस्क्यू कार्य में नगर पालिका, पीएसी फ्लड कम्पनी, फायर ब्रिगेड व पुलिस बल के जवान लगातार लगे हुए हैं।

# विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में सबका योगदान: प्रो .वंदना सिंह

## कुलपति के कार्यकाल के दो वर्ष पूर्ण होने पर सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सोमवार का दिन उत्सव में बदल गया, जब आर्यभट्ट सभागार में कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के सफल दो वर्ष पूर्ण होने पर भव्य स्वागत और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने कविता, गीत और शब्दों के माध्यम से अपनी भावना व्यक्त की। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने कहा कि मेरी प्राथमिकता में विद्यार्थी हैं। उनके कक्षाएं नियमित चलें और विद्यार्थियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षा मिले। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को जो उपलब्धियां मिल रही है इसके लिए सिर्फ मेरा ही नहीं विश्वविद्यालय परिवार के सभी लोगों को सामूहिक प्रयास का फल है। कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय हर क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। इसका मुख्य कारण हमारे पास कुशल और मजबूत नेतृत्व है। वित्त अधिकारी आत्मप्रकाश धर द्विवेदी ने कहा कि मैं ऐसे शिक्षण संस्थान में सेवा करके गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। उन्होंने कुलपति के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि आपके हर मिशन को हम लोग पूरा करेंगे। प्रो. मानस पांडेय ने कहा कि विश्वविद्यालय का नेतृत्व कुशल हाथों में होने के चलते विश्वविद्यालय को लगातार उपलब्धियां मिल रही है। पीयू शिक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विजय सिंह ने कहा कि कुलपति जी के प्रयास से विश्वविद्यालय की गरिमा बढ़ी है। आज यहां प्रवेश के

लिए लाइन लगी हैं। सीट बढ़ाने के बाद भी भीड़ बढ़ती जा रही है। पीयू शिक्षक संघ के डॉ. राहुल सिंह ने कहा कि कुलपति के नवाचार, शिक्षा में गुणवत्ता और परीक्षाफल को समय से निकालने के कारण विश्वविद्यालय का माहौल बदला है।कर्मचारी संघ के महामंत्री रमेश यादव ने कहा कि समाज में विश्वविद्यालय के प्रति सकारात्मक सोच का माहौल विकसित हुआ है। इस अवसर पर सभागार में बैठे सभी शिक्षकों और कर्मचारियों ने कुलपति को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामना दी। इसके बाद कुलपति जी के कार्यकाल पर एक डाक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। संचालन प्रो. मनोज मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रो. एस के पाठक, प्रो ,राजेश सिंह, प्रो. प्रमोद यादव, उप कुलसचिव गण अमृतलाल, बबीता सिंह, अजीत सिंह, प्रो. अजय प्रताप सिंह, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, प्रो. अशोक श्रीवास्तव, प्रो. राजकुमार, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रामनारायण, प्रो. संदीप कुमार सिंह, प्रो. प्रदीप कुमार, प्रो. रवि प्रकाश, प्रो. गिरधर मिश्र, प्रो.मिथिलेश सिंह, प्रो.राकेश यादव, प्रो. राजबहादुर यादव, डॉ. रसिकेश, डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, डॉ. जेपी सिंह, डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह, डॉ. अनु त्यागी, डॉ. अमरेंद्र सिंह, डॉ. मनीष कुमार सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ. वनिता सिंह, डॉ अनुराग मिश्र, डॉ. नृपेंद्र सिंह विभिन्न संकायों के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

# रहमानिया सीरत कमेटी के सदर चुने गए मोहम्मद आरिफ खान

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिले की रहमानिया सीरत कमेटी की एक अहम बैठक हुई, जिसमे पूर्व अध्यक्ष शाहनवाज मंजूर सभासद के आह्वाहन पर आज मोहल्ला दढ़ीयाना टोला निकट रहमानिया मस्जिद सम्पन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता सैफुद्दीन सिद्दीकी उर्फ कैस ने किया। बैठक की शुरूआत मौलाना हनीफुल कादरी ने कुरआन की तिलावत से किया और नात ए नबी का नजराना शायर अजीम जौनपुरी ने पेश किया। बैठक में मोहल्ले के सम्मानित लोग व अंजुमन, अखाड़ा के जिम्मेदारों ने शिरकत किया। बैठक में गहन विचार व विमर्श के बाद आगामी 27,28 रबीउल अव्वल को आयोजित होने वाले ईद मिलादुन्नबी स.अ.व व जुलूस मदह-ए-सहाबा को कामयाब बनाने के लिये अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ की गयी। जिसमें सर्वसम्मति से मोहम्मद आरिफ खान शहर अध्यक्ष कांग्रेस पार्टी को अध्यक्ष एवं शाहनवाज मंजूर सभासद को कन्वीनर व सभासद अशफाक मंसूरी को महासचिव और साजिद अली उर्फ गल्लू को खजांची चुन लिया गया। जिसके बाद उपस्थित लोगों ने अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों का माल्यार्पण करके उनको बधाई पेश किया। उत्तरशक्ति हिन्दी दैनिक के सह-संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद से बात करते हुए। अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ खान ने समस्त लोगों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से मोहल्ला वासियों व रहमानिया सीरत कमेटी के पदाधिकारियों ने मेरे ऊपर पूर्ण विश्वास जताते हुए। इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है, मैं इस ऐतिहासिक जलसा व जुलूस मदह-ए-सहाबा को कामयाब बनाने का अथक प्रयास करूंगा। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि इस पर्व को ईद मिलादुन्नबी कहा जाए न कि बारह वफात। इस अवसर पर वसीम अहमद, महबूब आलम, बेलाल खान (शोएब) जावेद उर्फ बाबू पूर्व सभासद, आसिफ खान उर्फ अड्डू, शफीक जौनपुरी, निजामुद्दीन उर्फ लल्लू, अजीजुर रहमान, मुन्ना, अब्दुल्लाह अंसारी, इश्तियाक अहमद उर्फ पप्पू, नोमान सिद्दीकी उर्फ सेराज, कामिल सिद्दीकी, बिलाल अहमद, कमालुद्दीन अंसारी, मोहम्मद आरिफ, मोहम्मद ताहिर, मसूद अहमद आदि उपस्थित रहे।

# मनबढ़ों ने प्रधान के भतीजे को सरेराह पीटा

खुटहन,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पिलकिछा मार्ग स्थित पेट्रोल पंप के पास सोमवार को ट्यूशन पढ़ कर घर लौट रहे ग्राम प्रधान के भतीजे को तीन मनबढ़ युवकों ने रोक लात घूंसो से जमकर पिटाई कर दिया। मौके पर लोगों को जुटता देख तीनों हमलावर एक बाइक पर सवार होकर फरार हो गए घायल का उपचार सीएचसी पर किया गया एक नामजद सहित तीन के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। ग्राम प्रधान ऊषा देवी के पति रामकुमार उपाध्याय का भतीजा विवेक उपाध्याय ट्यूशन पढ़ कर साइकिल से लौट रहा था। आरोप है कि तभी बाइक से आये अनुज मिश्रा व दो अज्ञात युवकों ने उसे रोक कर गाली गलौज देते हुए लात घूंसों से पीटने लगे। घायल के दादा अमरजीत उपाध्याय ने थाने में तहरीर दिया है।

# पीयू में मनाई गई मदर टेरेसा की जयंती

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाज सेवा और मानवता की प्रतिमूर्ति मदर टेरेसा की जयंती वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर में श्रद्धा और

भावपूर्ण वातावरण में मनाई गई। मंगलवार को विश्वविद्यालय स्थित राष्ट्रीय सेवा योजना भवन में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत मदर टेरेसा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव ने इस अवसर पर कहा कि मदर टेरेसा का जीवन त्याग, करुणा और निस्वार्थ सेवा का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा कर मानवता को नई दिशा दी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि मदर टेरेसा का सम्पूर्ण जीवन गरीब, असहाय और पीड़ित मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहा। उनका जीवन संदेश हर व्यक्ति को सेवा, त्याग और संवेदना की राह पर चलने के लिए प्रेरित करता है। इस अवसर पर डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. अवधेश कुमार मौर्य, डॉ. शशिकांत यादव, सतीश कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# अब ट्रांसपोर्ट नगर में बनेगा डाक विभाग का वेयर हाउस

◆ वीडीए के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार विभाग

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में बाबतपुर हवाई अड्डे से करीब 15 किलोमीटर दूर मोहनसराय में एक ट्रांसपोर्ट नगर के साथ ही वेयरहाउस सुविधा का भी विस्तार करने की तैयारी में विभाग लग गया है और भारतीय डाक विभाग अपने लॉजिस्टिक्स सेवा के तहत वाराणसी और आसपास के जिलों में विभिन्न उत्पादनकताओं के तैयार माल को अन्य राज्यों के क्षेत्रों में पहुंचाने की व्यवस्था की तैयारी कर रहा है। जिले में डाक विभाग अब वीडीए के साथ मिलकर काम करेगा। इस संबंध में डाक विभाग के पीएमजी कर्नल विनोद कुमार ने वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग के साथ बैठक की। जिसमें उन्होंने इंडिया पोस्ट के लॉजिस्टिक हब के लिए स्थान निर्धारित करने के विषय पर विस्तार से चर्चा की। कर्नल विनोद ने कहा कि ई कॉमर्स और ऑनलाइन माध्यम से खरीदारी की सुविधा बढ़ने से इंडिया पोस्ट का पार्सल डिलीवरी का कार्य तेजी से बढ़ रहा है। वाराणसी तथा आसपास के जिलों के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट जैसे लकड़ी के खिलौने, गुलाबी मीनाकारी, भदोही तथा औराई के कालीन, गाजीपुर के जूट की वाल हैंगिंग, बलिया की बिंदी तथा जौनपुर की ऊनी दरी आदि के उत्पादकों को सहूलियत मिलेगी साथ ही दूसरे राज्यों से आने वाले उत्पादों को भी आसानी से बनारस में उपलब्ध कराया जा सकेगा।

# पीयू परिसर में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितंबर तक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने प्रवेश संबंधी एक महत्वपूर्ण सूचना जारी की है। विश्वविद्यालय परिसर में संचालित सभी पाठ्यक्रमों (बी.फार्मा को छोड़कर) में प्रवेश की अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2025 निर्धारित की गई है। विदित हो कि बी.फार्मा पाठ्यक्रम में प्रवेश CUET-UG परीक्षा के माध्यम से हुआ है तथा इसकी काउंसिलिंग UPTAC द्वारा की जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि कुछ पाठ्यक्रमों में अभी भी सीटें रिक्त हैं। ऐसे में इच्छुक अभ्यर्थी सम्बन्धित विभाग से संपर्क कर 15 सितम्बर 2025 तक अपना प्रवेश सुनिश्चित कर लें। निर्धारित तिथि के बाद किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं होगा। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए संबंधित विभागों के मोबाइल नम्बर विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.vbspu.ac.in पर उपलब्ध प्रवेश विवरणिका (Admission Brochure) में प्रकाशित किए गए हैं।

# चोरी के मुकदमे वांछित आरोपी गिरफ्तार

पिपरी,सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे। अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय व क्षेत्राधिकारी पिपरी के निर्देशन में दिनांक 25.05.2025 को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-98/2025 धारा-305(ए),317(2), 331(2) इठर वांछित आरोपी मेराज उर्फ कल्लू पुत्र फिरोज अंसारी निवासी वार्ड नं0-01 मलिन बस्ती थाना पिपरी जनपद सोनभद्र उम्र करीब 22 वर्ष को मुखबीर की सूचना पर दिनांक 26.08.2025 को रेनुकूट रेलवे स्टेशन के पीछे से समय 10.50 बजे उ0नि0 दिलीप कुमार सिंह मय हमराह गिरफ्तार कर न्यायालय प्रेषित किया गया।

# गैर इरादतन हत्या के आरोप में महिला गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बरसठी पुलिस टीम द्वारा गैर इरादतन हत्या करने वाली एक महिला आरोपी को बरामद शुदा एक अदद डण्डा के साथ गिरफ्तार किया गया। पूर्व की घटना का संक्षप्ति विवरण,दिनांक 21.08.2025 को ग्राम गनेशपुर में हुई घटना जिसमे गीता देवी पत्नी शिवकुमार नि0 गनेशपुर थाना बरसठी जनपद जौनपुर उम्र करीब 35 वर्ष अपने पति शिवकुमार को आपसी पारिवारिक कलह के कारण गैर इरादतन घर मे पड़े एक बास के डण्डे से शिवकुमार के सिर पर मार दिया। जिससे शिवकुमार की मृत्यु हो गयी। जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 167/2025 धारा 105 बी0एन0एस0 पंजीकृत किया गया।

# चन्दवक पुलिस ने दुष्कर्म के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना चन्दवक पुलिस टीम द्वारा दुष्कर्म के अभियोग में वांछित एक आरोपी को किया गया गिरफ्तार। पूर्व की घटना का संक्षिप्त विवरण।दिनांक-16.08.2025 को वादिनी के साथ बातचीत करना व मना करने के बावजूद गलत सम्बन्ध बनाने के सम्बन्ध मे प्राप्त प्रार्थना पत्र पर मु0अ0सं0-262/2025 धारा-69, 351(2), 352 बीएनएस बनाम 1.जितेन्द्र राजभर पुत्र सुरेन्द्र, 2.रुबी पत्नी कुन्दन निवासीगण झमका थाना केराकत जनपद जौनपुर व मो0नं0 9555145103 का धारक नाम पता अज्ञात के पंजीकृत किया गया।

# आजमगढ़ में गायब हुए तीन बच्चे, पुलिस ने शुरू की तलाश

◆ गांव में दहशत और बेचैनी का माहौल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले के फूलपुर थाना क्षेत्र के भाटिनपारा गांव में 23 अगस्त की शाम तीन बच्चों के एक साथ लापता होने से गांव में हड़कम मच गया है। लापता बच्चों की पहचान पवन (15 वर्ष) पुत्र हरिराम, सूर्यप्रताप (6 वर्ष) पुत्र दिलावर, और योगेंद्र (12 वर्ष) पुत्र धर्मेंद्र निवासी रमनीपुर, थाना निजामाबाद के रूप में हुई है। ये तीनों बच्चे शाम करीब 6 बजे अपने घरों से निकले थे और आखिरी बार कतरा गांव की पानी की टंकी के पास एक साथ देखे गए थे। देर रात तक घर न लौटने पर परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परिजनों ने गांव, आसपास के क्षेत्रों और रिश्तेदारों के यहां तलाश की, लेकिन बच्चों का कोई पता नहीं चला। शारदा सहायक खंड 46 नहर को बंद कराकर भी बच्चों की खोज की गई, पर कोई सफलता नहीं मिली। परिजनों ने फूलपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।जिसके आधार पर पुलिस ने धारा 363 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लापता पवन के पिता हरिराम और सूर्यप्रताप के पिता दिलावर ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया, हमने हर संभव कोशिश की, लेकिन बच्चों का कोई अता-पता नहीं चला। हमें उनकी सुरक्षा की चिंता सता रही है। घटना के बाद से गांव में दहशत और बेचैनी का माहौल है। ग्रामीण भी बच्चों की तलाश में जुटे हैं। पुलिस ने बच्चों की सकुशल बरामदगी के लिए विशेष टीमें गठित की हैं और मामले की गहन जांच कर रही है। क्षेत्र में अनहोनी की आशंका से ग्रामीण भयभीत हैं, और पुलिस से जल्द से जल्द बच्चों को ढूंढने की मांग कर रहे हैं।

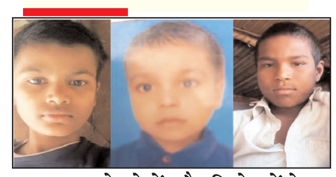

# महिला ने ससुराल वालों पर लगाए कई गंभीर आरोप

## पुलिस ने दर्ज की एफआईआर, चार माह पूर्व हुई थी शादी

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जिले के सिधारी थाना क्षेत्र की रहने वाली एक नवविवाहिता अंजली यादव ने अपने पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न, मारपीट, अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने और सामूहिक दुष्कर्म के प्रयास के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर थाना सिधारी में एफआईआर दर्ज की गई है। मामले की जांच शुरू हो गई है। तहरीर के अनुसार अंजली यादव पुत्री संतबहादुर यादव, निवासी शम्मोपुर, थाना सिधारी की शादी 30 अप्रैल 2025 को आकाश यादव पुत्र दीनानाथ यादव, निवासी मालव (पिटोखर), थाना मुहम्मदाबाद, जनपद मऊ से हुई थी। शादी से पहले सगाई 26 जनवरी 2025 और तिलक 25 अप्रैल 2025 को संपन्न हुआ। पीड़िता के अनुसार उसके पिता ने दहेज में 15 लाख रुपये नकद, 10 लाख के गहने, शादी का सारा सामान और एक मोटरसाइकिल दी थी लेकिन विदाई के बाद ससुराल पहुंचते ही परिवार ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी।पीड़िता ने बताया कि उसके पति आकाश यादव, ससुर दीनानाथ यादव, सास लीलावती, ननद रिंकी यादव और मनीष यादव पुत्र हरिनाथ यादव, निवासी सलहाबाद, मऊ ने मिलकर उसे प्रताड़ित किया। आरोप है कि वे उसकी छोटी कद-काठी और दाहिने हाथ में पोलियो होने का हवाला देकर दहेज में क्रेटा कार मांगते थे। न देने पर उसे लात-घूसों से पीटा जाता था, गालियां दी जाती थीं और जान से मारने की धमकी दी जाती थी। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि मनीष यादव ने उसके पति की जानकारी में दुष्कर्म का प्रयास किया, जबकि परिवार ने उसे भोजन से वंचित रखा।

# सुरेरी पुलिस ने अश्लील हरकत करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक सुरेरी के नेतृत्व में थाना सुरेरी पुलिस टीम द्वारा वादिनी/पिड़िता के लिखित तहरीर के आधार पर बाबत वादिनी/पिड़िता के साथ उसका पड़ोसी अभिषेक उर्फ झगरु पुत्र राज कुमार द्वारा अश्लील हरकत करना। गाली गलौज देना व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-118/25 धारा - 352,351(2),79 बीएनएस बनाम अभिषेक उर्फ झगरु पुत्र राज कुमार निवासी भोड़ा थाना सुरेरी जनपद जौनपुर के विरुद्ध पंजीकृत कर आरोपी अभिषेक उर्फ झगरु उपरोक्त को गिरफ्तार कर शांति भंग में अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीनएसएस में चालान न्यायालय किया गया।

# जेसी ताहिर कादरी सोनू बने जेसीआई सप्ताह-2025 के चेयरमैन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अध्यक्ष लत्रॠ नीरज श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जेसीआई जौनपुर के द्वारा साधारण सभा की बैठक का आयोजन मां गोमती के पावन तट, सूरज घाट पर किया गया। बैठक का कोरम पुरा रहा। बैठक में विभिन्न एजेंन्डे पर चर्चा हुई। जैसे जेसीआई वीक, चेयरमैन और को-चेयरमैन का चयन जेसीआई वीक में होने वाले कार्यक्रम जोन के द्वारा भेजे गए कार्यक्रम महान दिवस दिव्यांग बच्चों को ड्रेस वितरित करना सदस्यता शुल्क पर चर्चा एवं कार्यक्रम को किस प्रकार आयोजित किया जाए ताकि संस्था का नाम सबकी जुबां पर हो, लोगों के बीच में हमारी संस्था पहुंचे इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर जोरदार चर्चा और परिचर्चा हुई। सभी सदस्यों एवं पूर्व अध्यक्षों ने अपने-अपने सुझाव से संस्था को अवगत कराया और भरपूर समर्थन और सहयोग का वादा किया। बैठक में सर्वसम्मति से जेसीआई वीक के चेयरमैन के रूप में जेसी ताहिर कादरी सोनू एवं को- चेयरमैन के रूप में जेसी अंजनी प्रजापति के नाम का चयन किया गया और दोनों सदस्यों ने अपनी अपनी सहमति भी दी। आप दोनों का सभी सदस्यों ने माल्यार्पण कर स्वागत भी किया।

बैठक में पूर्व मंडल अध्यक्ष राधे रमण जायसवाल, मंडल अधिकारी संदीप पाण्डे, आईपीपी आशुतोष जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष राकेश जायसवाल, पूर्व अध्यक्ष शशांक सिंह रानू, पूर्व अध्यक्ष संजय गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष दिलीप सिंह, संस्था के सदस्य सर्वेश जायसवाल, प्रदीप सिंह, इंद्रजीत मौर्य, रंजीत सिंह, सोनू जेसी, श्रेष सेठ, अंजनी प्रजापति, संतोष अग्रहरि, राजकुमार जायसवाल, डॉ.प्रमोद सैनी, राज साहू, हफिज शाह, संदीप वर्मा, प्रमोद सैनी आदि सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सचिव जेसी सतीश कुमार जायसवाल द्वारा किया गया।

## मनरेगा में गड़बड़ी पाए जाने पर मानदेय में10 प्रतिशत कटौती

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज स्थानीय प्रखंड के मनरेगा पदाधिकारी मुकेश कुमार ने साफ तौर पर कहा है मनरेगा योजना के तहत किए गए कार्य में अनियमितता सामने आने पर जांच के बाद रोजगार सेवक के मूल वेतन से दो सालों तक दस प्रतिशत की राशि कटौती कर दी जाएगी। वहीं मेठ को तत्काल को तत्काल हटा भी दिया जाएगा। प्रायः यह शिकायत एक- दो पंचायत को छोड़कर परायः सभी पंचायतों से सुनी जाती है कि एक हीं फोटो को विभिन्न एमआर में डाल कर एनएमएमएस पर अपलोड कर डेली अटेंडेंस बनाया जाता है। जांच में एक हीं फोटो बार बार अवलोकन में पाया गया तो कार्रवाई तय है।

## महिलाओं ने हरितालिका तीज का रखा व्रत

**मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)।** मीरा रोड में हरतालिका तीज का व्रत सुहागिन महिलाओं ने धूम-धाम हर्षोल्लास के साथ मनाई। महिलाएं अपने सुहाग को अखंड बनाए रखने और अविवाहित युवतियां मनचाहा वर पाने के लिए शिव पार्वती की पूजा की। यह व्रत महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती को प्रसन्न करने के लिए करती हैं। यह व्रत भाद्रपद शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाया जाता है इस दिन महिलाएं गौरी-शंकर की पूजा भक्ति भाव से करती हैं और निर्जला व्रत का पालन करते हुए भगवान शिव से सदा सुहागन की कामना कर आशीर्वाद लेंवा।

## अब कॉलेजों से भी मिल जाएगी प्रोविजनल डिग्री

**प्रयागराज (उत्तरशक्ति)।** उत्तर प्रदेश पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होने के बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के एफसीआई भवन में प्रोविजनल डिग्री के लिए हजारों अभ्यर्थी पहुंच रहे हैं। ऐसे में इविवि प्रशासन ने निर्देश जारी किए हैं कि प्रोविजनल डिग्री के लिए संघटक महाविद्यालयों में भी आवेदन जमा किए जाएंगे और वहीं उन्हें डिग्री मिल जाएगी। इविवि की पीआरओ प्रो. जया कपूर के अनुसार बीए, बीएससी, बीकॉम तृतीय वर्ष की प्रोविजनल डिग्री की तत्काल मांग और एफसीआई काउंटरों पर भीड़ को देखते हुए व्यवस्थित प्रबंधन और छात्रों को समय पर सेवा सुनिश्चित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था 25 अगस्त से अग्रिम आदेश तक लागू रहेगी। महाविद्यालयों के प्राचार्यों को इस व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन करने को कहा गया है। इस व्यवस्था के तहत सभी महाविद्यालय अपने स्नातकों से प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष की अंकतालिकाओं की स्व-सत्यापित फोटोकॉपी और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ऑनलाइन भुगतान लिंक के माध्यम से जमा किए गए 100 रुपये की स्व-सत्यापित रसीद लेंगे। इन्हें संकलित करने प्रतिदिन संयुक्त रजिस्ट्रार (परीक्षा), एफसीआई भवन को अग्रसारित करेंगे। परीक्षा अनुभाग की ओर से महाविद्यालयवार प्रोविजनल डिग्री तैयार की जाएगी।

## पालिताना के सिद्धवड तीर्थ पर ऐतिहासिक पर्युषण पर्व की शुरूआत

**पालिताना।** जैन धर्म के इतिहास में पहली बार एक अनोखा और ऐतिहासिक पर्युषण पर्व का आयोजन पालिताना में श्री शत्रुंजय गिरिराज की तलहटी में स्थित श्री सिद्धवड तीर्थ की पावन भूमि पर बनाया गया तक्षशिला नगर में हो रहा है। निज में निवास, सिद्धवड में चातुर्मासह की थीम के अंतर्गत 175 साधु-साध्वी भगवंतों की निश्रा में प्रतिदिन लगभग 1100 आराधक 21 घंटे का मौन धारण करेंगे और मोबाइल फोन का पूरी तरह त्याग करेंगे। यह अनुशासन भाद्रवा सुद 4 तक यानी लगभग दो महीनों तक चलेगा। आराधक प्रतिदिन 6 घंटे स्वाध्याय भी करेंगे। आचार्य हेमवल्लभसूरीश्वरजी, पन्यास लब्धिवल्लभविजयजी महाराज और पन्यास यशरत्नविजयजी महाराज की निश्रा में आत्मा को जानो, आत्मा को अनुभव करो उत्सव मनाया जा रहा है।

इस पूरे आयोजन का लाभ मुंबई के हिरालक्ष्मीबेन खांतीलाल शाह परिवार ने लिया है। परिवार के मुखिया पंकजभाई शाह ने बताया कि प्राकृतिक वातावरण और गुरु भगवंतों की सन्निधि में आराधक आत्मा की गहराई का अनुभव करेंगे। आचार्य हेमवल्लभसूरीश्वरजी महाराज ने प्रवचन में कहा कि सुख कहीं बाहर नहीं है, वह हमारे भीतर ही है। जब आत्मा इंद्रियों के अधीन होकर विषयों की याचना करता है तो यह सबसे करुण दृश्य बन जाता है। इस अवसर पर गुजरात के गृह मंत्री हर्षभाई संघवी और जैन अग्रणी दीपकभाई बारडोली भी उपस्थित रहे। गृह मंत्री संघवी ने मोबाइल त्याग और मौन साधना की सराहना की। शासनरत्न कुमारपाल विजयशाह ने कहा, बिना कारण बोलना विकृति है, जबकि मौन प्रकृति है।

उन्होंने लाभार्थी पंकजभाई के परिवार के प्रति आभार व्यक्त किया। पंकजभाई शाह ने जानकारी दी कि 3 से 7 सितंबर और 17 से 21 सितंबर के दौरान पांच दिन के दो विशेष शिविर आयोजित होंगे। इसके अलावा, सिद्धवड आध्यात्मिक उपधान तप की आराधना भी होगी। पहला प्रवेश 2 अक्टूबर से और दूसरा प्रवेश 4 अक्टूबर से प्रारंभ होगा, जिसकी मोक्षमाला 21 नवंबर को संपन्न होगी।

## झाड़ी में मिली पूर्व जिला पंचायत सदस्य की स्कॉर्पियो

**नवाबगंज (प्रयागराज)।** चार दिन पहले लापता हुए जिला पंचायत सदस्य रणधीर यादव का पता नहीं चला, जबकि उनकी स्कॉर्पियो चित्रकूट की झाड़ी में मिली है। लापता पूर्व जिला पंचायत सदस्य की तलाश में पुलिस की कई टीमें लगाई गई है। मोहम्मदपुर हथिगंहा निवासी सेवानिवृत्ति सूबेदार राम अभिलाष यादव के पुत्र रणधीर यादव कौड़िहार के पूर्व जिला पंचायत सदस्य थे। उनकी बहू बबली यादव वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य हैं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य का मकान मोहम्मदपुर हथिगंहा के अलावा हथिगंहा बाजार में भी है। मकान में पूर्व जिला पंचायत सदस्य के अलावा उनका भांजा दीपेश यादव रहते थे। शुक्रवार की रात करीब 9 बजे पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणवीर यादव अपने साथी राम सिंह निवासी पुरे ननकू थाना नवाबगंज के साथ बाजार के एक ढाबा पर पहुंचे और खाने की पैकेट लेकर शहर की तरफ रवाना हो गए। देर रात तक वापस न लौटे तो परिजन परेशान हो गए। भांजे ने मामा रणधीर को फोन लगाया तो स्विच ऑफ बताने लगा। जिला पंचायत सदस्य बबली यादव उस वक्त कानपुर में थीं। उन्होंने बताया कि देर रात भांजे ने बताया कि मामा का फोन स्विच ऑफ आ रहा है। उन्होंने पति से बात करने की कोशिश की तो स्विच ऑफ बताने लगा। इस दौरान उन्होंने पति के साथ सफर कर रहे राम सिंह से भी बात करने की कोशिश की लेकिन फोन नहीं उठाया। थोड़ी देर बाद राम सिंह का भी मोबाइल स्विच ऑफ आने लगा। इसकी सूचना पूर्व जिला पंचायत सदस्य के भांजे दीपेश ने शनिवार को पुलिस को दी। पुलिस ने पूर्व जिला पंचायत सदस्य की स्कॉर्पियो चित्रकूट के देवांगना के निकट एयरपोर्ट के पास झाड़ी मिली। स्कॉर्पियो में नंबर प्लेट नहीं था। बताया गया कि कार में पूर्व जिला पंचायत सदस्य का लेटर पैड तथा अन्य दस्तावेज थे। जिसे जनपद चित्रकूट बहिलापुर थाना प्रभारी की ओर से नवाबगंज पुलिस को भेज दिया गया। उधर, जिला पंचायत सदस्य बबली यादव ने बताया कि कुछ लोग जिला पंचायत के चुनाव को लेकर रंजिश रखते थे।

## एपीरॉक ने नया विनिर्माण और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए भूमि पूजन किया

**मुंबई।** खनन और बुनियादी ढांचा उद्योगों के लिए उत्पादकता और सतत विकास में भागीदार अग्रणी कंपनी एपीरॉक एबी ने आज नासिक में अपने नए विनिर्माण और अनुसंधान केंद्र का भूमि पूजन किया। यह नया केंद्र भारत सहित वैश्विक ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद और समाधान उपलब्ध कराने की एपीरॉक की प्रतिबद्धता का हिस्सा है, जो सुरक्षा और उत्पादकता को और मजबूत करेंगे। इस नए परिसर में खनन और निर्माण ग्राहकों के लिए भूमिगत और सतही उपकरणों का निर्माण, अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) और नई-नई अवधारणाओं का कार्यान्वयन किया जाएगा। इसमें उत्पादन एवं प्रोटोटाइपिंग के लिए भवन, अनुसंधान प्रयोगशालाएँ, कार्यालय तथा बाहरी उपकरण परीक्षण ट्रैक शामिल होंगे। इस केंद्र का कामकाज वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही से शुरू होने की उम्मीद है और आने वाले वर्षों में इसका चरणबद्ध विकास होगा। इस परिसर का कुल विस्तार लगभग 1,75,000 वर्ग मीटर होगा। कार्यकारी अधिकारी हेलेना हेडब्लॉम ने कहा,भारत जैसे बढ़ते और अत्यंत महत्वपूर्ण बाजार में हमारी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए नासिक का यह नया केंद्र एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे वैश्विक ग्राहकों को भी मजबूती प्रदान करेगा। एपीरॉक इंडिया के अध्यक्ष अरुणकुमार गोविंदराजन ने कहा, भारत में इस अगले विस्तार को लेकर हम बेहद उत्साहित हैं। यहाँ अपार विकास की संभावनाएँ हैं। इस निवेश के माध्यम से हम अपने स्थानीय और वैश्विक ग्राहकों के लिए उत्पादकता और स्थिरता के भागीदार के रूप में कार्य करने के लिए तत्पर हैं। यह नया केंद्र मेक इन इंडिया पहल को भी मजबूती देगा।

## मौनिया बाबा राजकीय मेला में सरकारी नियम का पालन नहीं करने पर एक अखाड़े पर प्राथमिकी दर्ज

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज इस साल 2025 में 1923 से लगातार मौनिया बाबा मेला लगता आ रहा था। इस साल मेला राजकीय हो गया है। मेला का पूरा नियंत्रण जिला प्रशासन को था। पूर्व से विभिन्न गांव वी महाराजगंज शहर के विभिन्न स्थानों से 22 जगह से आंकड़ा मौनिया बाबा स्थल पर जाकर प्रणाम करता था। राजकीय मेला होने पर प्रशासन अपने स्तर से नियम बनाया था जिसमें मेला को शांतिपूर्ण करने के लिए कुछ नियम बनाए गए थे .22 अगस्त को रुकूंदीपुर। गांव से अखाड़ा मेला में पारंपरिक तरीके से महाराजगंज शहर में हनुमान जी और मुनिया बाबा का जयकारा लगाते प्रवेश कर रहा था। कुछ उच्चकों द्वारा झंडा अखाड़े में प्रवेशकर सड़क के किनारे के दुकानों को लाठी डंडे से क्षति पहुंचाया गया। प्रशासन उसका सबूत एकत्रित कर रुकूंदीपुर अखाड़े के कुछ असामाजिक लोगों को चिन्हित कर 17 लोगों पर नामजद व 5 सौ अज्ञात अन्य अज्ञात के खिलाफ महाराजगंज थाने में प्राथमिकी संख्या 436/025 दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। जिससे रुकूंदीपुर मजबूरी झंडा अखाड़े में शामिल लोग सकेते में है।

देखिए, रुकूंदीपुर महावीर झंडा अखाड़ा 1923 से मौनिया बाबा समाधि स्थल पर शांतिपूर्वक जाता है। यह झंडा अखाड़ा मौनिया बाबा के पास भारी संख्या में पहुंचता है। इस अखाड़े में कई गांव के श्रद्धालु शामिल होते हैं। जिससे मेला की भव्यता बढ़ती है। कुछ बाहरी तंत्र गोल में घुसकर कोई गलत काम कर दिया तो प्रशासन को हस्तक्षेप करना चाहिए था। इस तरह से अखाड़े में शामिल सभी लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर देना न्याय संगत नहीं होगा।

## शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिए ट्रेडबाइनरी की पहल

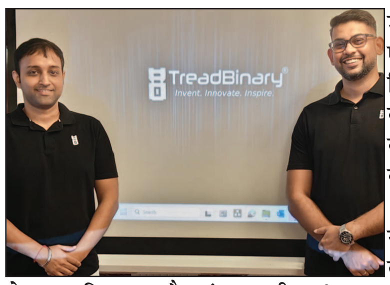


**मुंबई।** ट्रेडबाइनरी, एक टेक्नोलॉजी-एगनॉस्टिक एंटरप्राइज सॉल्यूशंस प्रोवाइडर, ने एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय स्कूल नेटवर्क के लिए बड़े पैमाने पर ईआरपी ट्रांसफॉर्मेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। कंपनी ने शैक्षणिक और प्रशासनिक संचालन को सुदृढ़ बनाने के लिए फ्रैपे ईआरपीनेक्स्ट को एकीकृत प्लेटफॉर्म के रूप में लागू किया है। यह प्रमुख परियोजना ट्रेडबाइनरी के शिक्षा क्षेत्र में रणनीतिक प्रवेश का प्रतीक है, जिसके परिणामस्वरूप एक इंटीग्रेटेड, स्केलेबल और भविष्य के लिए तैयार सिस्टम तैयार हुआ है, जो संचालन को सरल, डेटा को पारदर्शी और संस्थान में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को बढ़ावा देता है। इस बदलाव के तहत 16 अलग-अलग स्टैंडअलोन एप्लिकेशंस को हटाकर उन्हें एकीकृत ओपन-सोर्स ईआरपी सूट से बदल दिया गया है। संस्थान की जटिल जरूरतों के अनुरूप तैयार इस प्लेटफॉर्म ने सीआरएम, सेल्स, अकादमिक मैनेजमेंट, प्रोक्योरमेंट, एसेट मैनेजमेंट, एचआरएमएस, पेरोल, सपोर्ट डेस्क और फाइनेंस जैसी प्रक्रियाओं को एक ही जगह जोड़ दिया है। उच्च उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए यह प्लेटफॉर्म एडब्ल्यूएस (अहर) पर होस्ट किया गया है और इसमें मल्टी-लेयर डेटा सिक्योरिटी, कस्टम मोबाइल ऐप्स, रोल-आधारित डैशबोर्ड और रियल-टाइम एनालिटिक्स जैसी विशेषताएं शामिल हैं, जो क्लासरूम से लेकर कॉर्पोरेट ऑफिस तक सभी कार्यों को जोड़ती हैं।

ट्रेडबाइनरी के संस्थापक और निर्देशक दर्शिल शाह ने कहा, शिक्षा क्षेत्र इस समय बदलाव के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहां तेजी से काम करना और डेटा-आधारित निर्णय लेना अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुका है। कई स्कूल और कॉलेज अब भी असंबद्ध और पुरानी प्रणालियों पर निर्भर हैं, जो आज के छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों की जरूरतें पूरी नहीं कर पातीं। हमने इस परियोजना को शिक्षा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में नए मानक स्थापित करने का अवसर माना।

## लोकमान्य तिलक की गणपति उत्सव और बदलती परंपरा पर विचार

**मीरा रोड।** महाराष्ट्र में गणपति बप्पा का आगमन धूमधाम से हो रहा है। जगह-जगह पंडाल सज रहे हैं, घरों में मिठाइयाँ बन रही हैं और पूरा माहौल भक्ति में सराबोर है। बाजारों में रौनक है और श्रद्धालु अपने विघ्नहर्ता के स्वागत की तैयारी कर रहे हैं। लेकिन इस उमंग और श्रद्धा के बीच एक गंभीर प्रश्न भी उठ रहा है। जिस उद्देश्य से लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक ने इस गणपति उत्सव की शुरूआत की थी, क्या वह आज कहीं पीछे छूट गया है? तिलक का विजन था कि यह पर्व केवल धार्मिक न होकर लोगों को एकजुट करने, संगठन को मजबूत करने और सामूहिक चेतना जगाने का माध्यम बने। आजादी की लड़ाई के दौरान यह उत्सव लोगों को जोड़ने का माध्यम बना था। वर्तमान समय में तस्वीर कुछ बदली हुई दिख रही है। पहले जहाँ एक कॉलोनी या समिति में सामूहिक रूप से गणपति की स्थापना होती थी, वहीं आज हर बिल्डिंग के हर घर में अलग-अलग आयोजन हो रहे हैं। आरती और पूजा-पाठ में लोगों की संख्या घट रही है। कई जगहों पर दिखावा और प्रतिस्पर्धा श्रद्धा से अधिक भारी पड़ रही है। इसके साथ ही पर्यावरण का संकट भी गंभीर हो गया है। सरकार और सामाजिक संस्थाएँ लगातार इको-फ्रेंडली गणपति की अपील कर रही हैं, क्योंकि प्लास्टर ऑफ पेरिस की मूर्तियों से नदियाँ, तालाब और जलीय जीव प्रभावित हो रहे हैं। विसर्जन के बाद सफाई एक बड़ी चुनौती बन जाती है। आज आवश्यकता है कि हम इस उत्सव के मूल उद्देश्य को याद करें–सामूहिकता, एकता और समरसता। कम से कम पंडाल और मूर्तियों की संख्या हो, अधिक से अधिक लोग एक साथ जुड़ें, तो यह पर्व फिर से समाज को जोड़ने वाला बनेगा। सोशल मीडिया पर निमंत्रण भेजने से अधिक जरूरी है कि हम लोगों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करें, उन्हें बुलाएँ और गणपति बप्पा के माध्यम से आपसी रिश्तों को मजबूत करें। लोकमान्य तिलक का विजन हमें यही संदेश देता है कि गणपति उत्सव केवल आराधना का पर्व नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का पर्व है। यदि समाज थोड़े से बदलाव के साथ इस दिशा में कदम बढ़ाए तो यह परंपरा फिर से अपने सशक्त और सार्थक रूप में लौट सकती है।

## सुहागिनों की भक्ति से गूंजे मंगलगीत, शंकर–पार्वती की पूजा से मांगा अखंड सौभाग्य

**सुरेश गांधी**

**वाराणसी।** भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला पावन पर्व हरितालिका तीज मंगलवार को काशी नगरी से लेकर ग्रामीण अंचलों तक उल्लास और आस्था के साथ मनाया गया। शहर के शिवालयों में जहां श्रृंगार और झांकियों का नजारा देखने को मिला, वहीं गांवों की चौपालों और आंगनों में सुहागिनें मंगलगीत गातीं नजर आईं। हर जगह सुहागिनों और कुंवारी कन्याओं ने निर्जला उपवास रखकर सायंकाल सोलहों श्रृंगार में भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की और अखंड सौभाग्य की कामना की. खास यह है कि शहर की भव्यता और गांव की सरलता, दोनों ही रूपों में हरितालिका तीज ने यह संदेश दिया कि परंपरा और आस्था ही भारतीय संस्कृति की असली पहचान है। काशी नगरी से लेकर देहात तक तीज का उल्लास नारी शक्ति, तप और समर्पण की अमर कहानी कहता रहा।

प्रातः स्नान-ध्यान के बाद सुहागिनों ने निर्जला व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना की। शहर के मंदिरों और घर-आंगनों में तीज की रौनक देखते ही बन रही थी। शिव-पार्वती की प्रतिमाओं को गंगाजल से स्नान कराकर श्रृंगार किया गया और पारंपरिक विधि से पूजन किया गया। सुहागिनों ने अपने अखंड सौभाग्य की कामना करते हुए हरितालिका व्रत कथा का श्रवण किया। वहीं, युवतियों ने भी अच्छे वर की प्राप्ति की कामना से व्रत रखा। शाम के समय जगह-जगह गौर माता की पूजा और हरितालिका तीज की सामूहिक कथा का आयोजन हुआ। व्रतियों ने चूड़ियाँ, मेहंदी, सोलह श्रृंगार और पारंपरिक वेशभूषा धारण कर तीज की शोभा बढ़ा दी। घर-घर में गीत-भजन और मंगलगान गूंजते रहे। माना जाता है कि हरितालिका तीज का व्रत माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए रखा था। तभी से यह पर्व सौभाग्य, दांपत्य सुख और पति की दीघार्यु के लिए स्त्रियों द्वारा मनाया जाता है। वाराणसी सहित पूर्वांचल के गाँव-गाँव और कस्बों में भी महिलाओं ने मंदिरों में जाकर शिवलिंग पर जलाभिषेक किया और रात्रि जागरण कर भजन-कीर्तन में भाग लिया।

वाराणसी के गंगापुर, चिरईगांव, शिवपुर, मंडुवाडीह और आसपास के गाँवों में भी हरितालिका तीज की धूम रही। गांव की गलियों में महिलाएं समूह बनाकर मंगलगीत गा रही थीं। चौपालों में केले के पत्तों का मंडप सजाकर शिव-पार्वती की प्रतिमा स्थापित की गई। गंगापुर में महिलाओं ने सामूहिक पूजन कर अखंड सौभाग्य का वरदान मांगा। चिरईगांव की चौपाल में ढोलक की थाप पर रातभर भजन-कीर्तन चलता रहा। शिवपुर में युवतियों ने माता गौरी से मनचाहे वर की कामना की। मंडुवाडीह में घर-घर फुलहरा सजाया गया और पूजा-अर्चना की गई।

बाजारों में सुबह से ही पूजन-सामग्री, फल-फूल और मिठाई की खरीदारी को लेकर चहल-पहल रही। महिलाओं ने सोलह श्रृंगार धारण कर मंदिरों और घरों में पूजा की। कहीं श्रृंगार पेटिका पंडितों को दान दी गई, तो कहीं सुहागिनों ने चूड़ी, बिंदी और आलता अर्पित कर माता गौरी का आशीर्वाद लिया।

सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र, बच्चों सहित पूरे परिवार की सुख-समृद्धि और संपन्नता के लिए व्रत रखा। साथ ही में विवाहित महिलाओं ने पुत्र रत्न प्राप्ति का वरदान मांगा, जबकि कुंवारी कन्याओं ने सुयोग्य, सुशील और स्वस्थ जीवनसाथी की कामना से माता गौरी की आराधना की। मान्यता है कि हरितालिका तीज का व्रत करने वाली स्त्री को मनचाहा वर और अखंड सौभाग्य प्राप्त होता है। सुबह से ही स्नान-ध्यान कर महिलाएं व्रत की तैयारी में जुट गईं। कहीं मेहंदी रचाई जा रही थी तो कहीं श्रृंगार पेटिका सजी थी। बाजारों में पूजन-सामग्री, फल-फूल और मिठाई की खरीदारी को लेकर खूब चहल-पहल रही। शाम को प्रदोष काल में महिलाएं सोलह श्रृंगार से सुसज्जित होकर मंदिरों में पहुंचीं। केले के पत्तों का मंडप बनाकर उसमें भगवान शिव और माता पार्वती के साथ पूरे परिवार की प्राण-प्रतिष्ठा की गई। पूजा में चूड़ी, बिंदी, आलता और श्रृंगार सामग्री अर्पित की गई। गंगाजल, दही, दूध, शहद से स्नान कराकर शिव-पार्वती को पूड़ी-पकवान और मौसमी फलों का भोग लगाया गया।

पूजा-अर्चना के बाद सुहागिनों ने अखंड सौभाग्य की कामना से पंडितों को श्रृंगार पेटिका, फल-फूल और दक्षिणा समर्पित की। मंदिरों में पुरोहितों ने भगवान शिव-पार्वती के विवाह प्रसंग का वर्णन कर व्रतियों को व्रत का महत्व बताया। रात्रि में ढोलक की थाप पर मंगल गीत गूंजते रहे। घर-घर में भजन-कीर्तन और आरती हुई। व्रतियों ने फुलहरा बनाकर अपने घरों को सजाया और विधिपूर्वक शंकर-पार्वती की आराधना की। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए सखियों संग जंगल में जाकर कठोर तपस्या की थी। उसी तप और निष्ठा की स्मृति में यह व्रत आज भी जीवित है। यह व्रत नारी के तप, त्याग और समर्पण का अद्भुत उदाहरण है।

## राजस्व महाअभियान को ले गांव–गांव रैयतों में बांटी जा रही ऑनलाइल जमाबंदी की प्रति

**सिवान (उत्तरशक्ति)।** बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज। राजस्व महाअभियान शुरू हो गया है। अमीन, राजस्व कर्मचारी व अंचल कार्यालय के अन्य कर्मी गांव-गांव पहुंच कर रैयतों के बीच ऑनलाइन जमाबंदी की प्रति वितरित कर रहे हैं। कुछ जगह कर्मचारी व अटर्नी के द्वारा रैयत को फर्म स्वयं आकर ले जा रहे है। लोगों को कहा जा रहा है. जमीन से संबंधित दस्तावेजों में सुधार को लेकर बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा 16 अगस्त से इस अभियान की शुरूआत की गयी है। विभाग के निदेर्शानुसार जमाबंदी की प्रति वितरित कर दिये जाने के बाद सभी पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जायेगा। इसमें जमाबंदी में सुधार से संबंधित कार्य किये जायेंगे। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार उपलब्ध करायी गयी जमाबंदी की प्रति में रैयत यह देख सकेंगे कि उनकी जमाबंदी में कौन-सी त्रुटि है। त्रुटि के आधार को बेस बनाकर सुधार होगा। बताते चलें कि नामांतरण व बंटवारे के लिए सरपंच द्वारा बनायी गयी वंशावली भी मान्य होगी। जिस रैयत को नामांतरण कराना होगा या जमीन का बंटवारा कराना होगा। उसे खतियान के साथ-साथ स्थानीय सरपंच द्वारा बनायी गयी वंशावली भी शिविर में जमा करनी पड़ेगी। बिना आवश्यक दस्तावेज के जमाबंदी में सुधार संभव नहीं हो पायेगा। जमाबंदी की प्रति वितरित किये जाने के साथ-साथ रैयतों को इस बात की भी जानकारी दी जा रही है कि उन्हें कौन-कौन से कागजात शिविर में जमा करने हैं। इस अभियान से पूर्व से लंबित अधिकतर मामलों का निबटारा तेजी से हो सकेगा. लेकिन संबंधित आवेदन, प्रपत्र व दस्तावेज रैयतों को शिविर में जमा करने होंगे. उनके द्वारा जमा किये गये दस्तावेजों के आधार पर ही जमाबंदी में सुधार हो सकेगा। रैयत के नाम व खाता-खेसरा आदि में गड़बड़ी होगी, तो उसमें सुधार होगा। यदि जमाबंदी पिता, दादा या अन्य किसी पूर्वज के नाम से है और उनकी मृत्यु हो चुकी है, तो नामांतरण कराया जायेगा. जमीन के बंटवारे से संबंधित समस्या है, तो राजस्व महाभियान में इसे भी दूर किया जायेगा। रैयत की जमाबंदी में किसी तरह की त्रुटि है, इससे संबंधित प्रपत्र भी उसे उपलब्ध कराया जायेगा।आवेदन व प्रपत्र के साथ-साथ सुधार के लिए आवश्यक दस्तावेज रैयतों को शिविर में जमा करने होंगे।प्राप्त दस्तावेजों के आधार पर ही त्रुटि में सुधार संभव हो सकेगा।

## सर्पदंश से वृद्ध महिला की मौत

**बलरामपुर।** जहानागंज थाना क्षेत्र के समसुद्दीनपुर गांव निवासिनी तेतरी देवी (80) पत्नी स्वर्गीय रामबचन यादव की सर्पदंश से मृत्यु हो गई। मृतका के भांजे कालिका प्रसाद ने बताया कि रविवार की रात करीब एक बजे तेतरी देवी घर में सो रही थीं, तभी उनके बाएं पैर में सांप ने काट लिया। हालत गंभीर होने पर परिजन उन्हें तुरंत जहानागंज के बड़हलगंज अस्पताल ले गए, जहां से डॉक्टरों ने उन्हें रेफर कर दिया। परिजन तेतरी देवी को मऊ के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान सोमवार की सुबह लगभग पांच बजे उनकी मृत्यु हो गई।

## वराह जयंती धूम धाम से मनाया गया

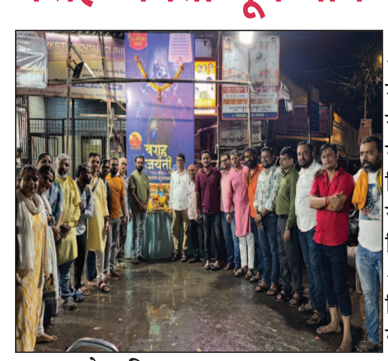


**–आदेश मिश्र**

**मुंबई।** वराह जयंती के अवसर पर छत्रपति संभाजी महाराज चौक आनंदगढ़ नाका पार्क साईट विक्रोली पश्चिम में भगवान श्री वराह देव के पूजन और महाआरती, प्रसाद तथा चौक सभा का आयोजन सकल हिंदू समाज घाटकोपर एवं राघव सेवा संघ के सौजन्य से किया गया। इस अवसर पर सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया गया इस में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। चौक सभा को संदीप त्रिपाठी और प्रमुख वक्ता प्रमोद काटे ने संबोधित किया भगवान वराह देव की जयंती को मनाने का उद्देश्य हिंदू धर्म की शक्ति को बढ़ाना और बहन बेटियों को लव जिहाद से बचाना, अवैध बांग्लादेशी फेरीवालों से अपना परिसर मुक्त रखना है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नीरज उपाध्याय, नीलम पांडे, जयेंद्र जाधव, सचिन वाघेला, अविनाश पवार, करण सिंह, अजीत सकट, डॉ अमोल हुले, माया लोध ने योगदान दिया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्याम नारायण शर्मा,आर.टी उपाध्याय, सुशील सहानी,मितुल शेठ, प्रकाश जाधव, सचिन गायकवाड कंक, प्रशांत देसाई, राजेंद्र केळशीकर उपस्थित रहे।

## नैपियर घास की अधिक उत्पादन और सफल उद्यमी बनने पर डीएम ने निवेशक को अंगवस्त्र पहनाकर बधाई दी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में उद्योग बंधु की बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी के द्वारा निर्देश दिया सन 1997 से अब तक सीड़ा में जो भी खाली भूखंड है और उनमें कोई गतिविधि नहीं की जा रही है ऐसे लोगों को आज अंतिम रूप से नोटिस जारी किया जाए और फिर भी कार्य शुरू नहीं करते है तो नए व्यवसायियों को भूखंड आवंटित करने की कार्यवाही शुरू की जाए। निवेशक दिग्विजय पटेल द्वारा नैपियर घास की अधिक उत्पादन के लिए और सफल उद्यमी बनने पर जिलाधिकारी द्वारा अंगवस्त्र पहनाकर बधाई दी गई। अवैध ईट भट्टो के संचालन के संबंध में अब तक कृत कार्यवाही के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कार्यशाला आयोजित करते हुए ऐसे ईट भट्टो को चिन्हित करते हुए प्रवर्तन की कार्यवाही की जाए। औद्योगिक स्थान सिद्दीकपुर में विद्युतीकरण, सीड़ा विस्तार, निवेश सारथी पोर्टल आदि की समीक्षा की गई। सीड़ा में बाउंड्रीवाल बनाए जाने के प्रगति के संबंध में जानकारी ली। जिलाधिकारी द्वारा उपायुक्त उद्योग एवं सहायक श्रमायुक्त को 15 फैक्टरियों का फैक्टी एक्ट 1948 के तहत पंजीयन कराया जाने पर प्रशंसा व्यक्त की गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, उपायुक्त उद्योग संदीप कुमार, सहायक प्रबंधक उद्योग जय प्रकाश, औद्योगिक संगठनों के अध्यक्ष/पदाधिकारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

## कैंसर देखभाल के लिए एसएसओ कैंसर अस्पताल बना एआई-संचालित डायग्नोस्टिक्स शुरू करने वाला मुंबई का पहला अस्पताल

मुंबई। स्पेशियलिटी सर्जिकल ऑन्कोलॉजी (SSO) कैंसर अस्पताल ने आज SSO क्लिनिशियन फोरम कैंसर देखभाल में अक्र-आधारित नवाचार का आयोजन किया, जिसमें चिकित्सकों और स्वास्थ्य सेवा भागीदारों को ऑन्कोलॉजी के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक साथ लाया गया। इस कार्यक्रम में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि कैसे तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डिजिटल उपकरण भारत में कैंसर का पता लगाने उपचार और उत्तरजीविता को बदल सकते हैं। मुंबई में कैंसर देखभाल के लिए एक अग्रणी कदम में, SSO कैंसर अस्पताल ने आज ररड मीडिया और क्लिनिशियन फोरम में Qure.ai के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। कैंसर देखभाल में AI-आधारित नवाचार अस्पताल मुंबई में Qure.ai के AI-संचालित इंसिडेंटल पल्मोनरी नोड्यूल (IPN) का पता लगाने वाला पहला अस्पताल बन गया। यह निदान उपकरण कैसे मदद करता है? फुफ्फुसीय नोड्यूल फेफड़ों में

छोटे धब्बे (वृद्धि) होते हैं, जिनका अक्सर संयोगवश (संयोगवश) पता चल जाता है जब मरीज छाती का एक्स-रे या सीटी स्कैन करवाते हैं, खासकर असंबंधित कारणों से। कई नोड्यूल हानिरहित होते हैं, लेकिन कुछ प्रारंभिक अवस्था के फेफड़ों के कैंसर हो सकते हैं। इन नोड्यूल्स का जल्दी पता लगाना और उनकी निगरानी करना जरूरी है, क्योंकि फेफड़ों के कैंसर के जीवित रहने की दर, जब कैंसर का पता चरण कमें लग जाता है, तो बाद के चरणों, जैसे चरण III या IV,की तुलना में नाटकीय रूप से बढ़ जाती है। पता चलने के बाद, मरीजों को वक्ष सर्जनों, फुफ्फुसीय रोग विशेषज्ञों और कैंसर रोग विशेषज्ञों से जोड़कर जल्द से जल्द एक संरचित देखभाल उपचार शुरू करने के लिए निर्देशित किया जा सकता है—जिससे निदान और उपचार तेज हो जाता है, और संभावित रूप से जीवन रक्षक भी।

साझेदारी पर बोलते हुए सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और एसएसओ कैंसर अस्पताल के संस्थापक डॉ. संकेत मेहता ने कहा कि एसएसओ में हमारा हमेशा से मानना रहा है कि नवाचार को सबसे पहले मरीजों की सेवा करनी चाहिए। एसएसओ इकोसिस्टम में एआई डायग्नोस्टिक टूल्स लाकर, हम अपने कैंसर देखभाल मार्गों में विश्वस्तरीय एआई समाधान ला रहे हैं—जिससे निदान तेज, अधिक सटीक और सुलभ हो रहा है। यह भारत में किफायती और परिणाम-आधारित ऑन्कोलॉजी देखभाल प्रदान करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण छलांग है। एसएसओ कैंसर अस्पताल के थोरेसिक सर्जन डॉ. जितेश राजपुरोहित ने नैदानिक क्षमता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फेफड़े और ग्रासनली जैसे कैंसर में जहाँ हर हफ़्ते मायने रखता है, एआई प्रारंभिक चरण के उपचार और उपचार क्षमता और अंतिम चरण की उपशामक देखभाल के बीच महत्वपूर्ण अंतर ला सकता है। रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण से एसएसओ कैंसर अस्पताल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट डॉ. विवेक सुकुमार ने तकनीक और सहानुभूति के बीच संतुलन पर जोर दिया। तकनीक एक अत्यंत शक्तिशाली उपकरण है, लेकिन इसका उपयोग हमेशा करुणा के साथ किया जाना चाहिए। एआई-सक्षम पहचान को हमारे बहु-विषयक, मानव-संचालित देखभाल मॉडल के साथ जोड़कर हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि मरीज न केवल लंबे समय तक जीवित रहें, बल्कि बेहतर जीवन जीएँ।

## विद्यालयों के निरीक्षण में रुचि न लेने वाले अधिकारियों पर जिलाधिकारी ने जताई कड़ी नाराजगी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी द्वारा जन्म प्रमाण पत्र न बनने के कारण डीबीटी ट्रांसफर सहित विभिन्न योजनाओं से वंचित बच्चों के संदर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देशित किया गया कि ऐसे बच्चे जो जन्म प्रमाण पत्र ससमय निर्गत न होने के कारण विभिन्न योजनाओं से वंचित हैं यह बेहद खेदपूर्ण है। जिसके क्रम में उन्होंने सभी उप जिलाधिकारी, खंड विकास अधिकारी को आपस में सामंजस स्थापित करते हुए अग्रेत्तर कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि जिस स्तर से प्रमाण पत्र निर्गत होने में शिथिलता बरती जा रही है उन पर यथोचित कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस दौरान उन्होंने परियोजना निदेशक, समाज कल्याण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी सहित अन्य अधिकारी जिनके द्वारा गत माह में विद्यालयों का निरीक्षण लक्ष्य के सापेक्ष कम किया गया था, उन पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए इसे प्राथमिकता पर करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विद्यालयों के ऊपर से गुजर रहे जर्जर तारों को बदलने, विद्युत विहीन विद्यालयों का झटपट पोर्टल पर आवेदन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालयों में पौधरोपण के साथ ही फलदार पौधे भी लगाए जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया, जिला विकास अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, समस्त खंड शिक्षा अधिकारी, सहित अन्य उपस्थित रहे।

## आरआर काबेल ने लॉन्च की भविष्य के लिए तैयार वायरों की नई सीरीज

पटना। भारत में वायर व केबल बनाने वाली अग्रणी कंपनी आरआर काबेल ने वायरों की एक नई रेंज लॉन्च की है। आज के दौर में खासकर जब तापमान बढ़ रहा है और बिजली की खपत भी ऐसे में ये वायरें बदलते वक्त की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बनाई गई हैं। इस नई सीरीज में कई प्रोडक्ट शामिल हैं जो सुरक्षा, परफॉर्मेंस और पर्यावरण की रक्षा- तीनों में बेहतर हैं। लॉन्च के इस मौके पर आरआर काबेल के कार्यकारी निदेशक राजेश काबरा ने कहा, जब घर स्मार्ट हो रहे हैं और तापमान बढ़ रहा है, तो वायरों को भी बदलना होगा।

## वार्षिक गणेश उत्सव 2025 के लिए बनाए गए कृत्रिम तालाबों का निरीक्षण

-तारकेश्वर पांडे

मीरा भायंदर। मीरा भायंदर शहर मनपा के आयुक्त और प्रशासक राधाबिनोद ए.शर्मा (भा.प्र.से.)के निर्देश पर, 26 अगस्त 2025 को, उपायुक्त डॉ. संभार पानपट्टे, उपायुक्त प्रियंका राजपूत, उपायुक्त राहुल चव्हाण (भा.पो.से.), नगर अभियंता दीपक खांबित ने शहर में वार्षिक गणेश उत्सव के लिए बनाए गए प्रमुख कृत्रिम तालाबों का दौरा किया, और वहां की तैयारियों का प्रत्यक्ष जायजा लिया। काशीमीरा जरी मरी तलाव, सातकरी तलाव, मीरा रोड साईं दत्त तलाव पेनकर पाड़ा शिवार गार्डन तलाव, जेसल पार्क चौपाटी, भायंदर पश्चिम चौपाटी, राई, तलाव, मुर्धा तलाव, इत्यादि निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण के दौरान, व विसर्जन अवधि के दौरान नागरिकों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। संबंधित अधिकारियों को सुरक्षा की तैयारी करने, साफ-सफाई, पानी और रोशनी की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, पुलिस और सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर डिप्टी कमिश्नर डॉ. सचिन वांगर, डिप्टी कमिश्नर कविता बोरकर, सहायक पुलिस आयुक्त, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, सिविल इंजीनियरिंग अधिकारी के साथ संबंधित विभागों के अधिकारी और नगर निगम निरीक्षक उपस्थित थे। 33 कृत्रिम तालाब मूर्ति पूजा स्वीकृति केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही, माना जा रहा है कि 6 फीट ऊंची श्री गणेश मूर्तियों का विसर्जन करना शुभ है। कचरा और कूड़ा पानी में न फेंकें और स्वैच्छिक कार्य करके शहर और सरकार का सहयोग करें। प्लास्टिक को समुद्र, खाड़ियों और नदियों में न फेंकें। साथ ही, निपटान के समय प्रशासन और पुलिस के निर्देशों का पालन करें। श्री गणेशोत्सव सामाजिक एकता और पर्यावरणीय स्थिरता का संदेश देने वाला त्योहार है। इसलिए, नागरिकों को स्वच्छता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए पर्यावरण के अनुकूल तरीके से यह त्योहार मनाना चाहिए, ऐसी अपील भाईंदर शहर सरकार प्रशासन द्वारा की जा रही।

## बाइक सहित अन्य सामानों पर चोरों किया हाथ साफ

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जलालपुर थाना क्षेत्र मनहन गांव में एक बन्द घर का ताला तोड़कर चोर एक बाइक सहित अन्य सामान उठा ले गए। पीड़ित मंगलवार को घर पहुंचा तो उसके होश उड़ गये। उक्त गांव निवासी सुबाष उपाध्याय परिवार के साथ मुंबई में रहते हैं। गांव के घर में ताला लगा हुआ था। 22 अगस्त की रात को उनके घर तथा घर के अंदर के कमरों तथा आलमारी का ताला तोड़कर चोर होंडा शाइन बाइक, एक एलईडी, पीतल के बर्तन और कपड़े आदि उठा ले गये। 23 अगस्त की सुबह गांव के किसी व्यक्ति की नजर घर पर पड़ी दरवाजा खुला देखकर उसे शक हुआ इसने सुबाष उपाध्याय के भतीजे विनोद उपाध्याय को सूचना दिया। वे जब मौके पर गए तो सारी जानकारी फोन से अपने चाचा सुबाष उपाध्याय को दिया। उनको बताया कि बाइक तथा एलईडी टीवी चोरी हो चुकी है बाकी कमरों का ताला तोड़ दिया गया है। उसमें रखा सारा सामान अस्त व्यस्त है। उन्होंने कहा कि वे अपने पुत्र मनीष को घर भेज रहे है। मनीष मंगलवार को घर आये। उन्होंने बताया के घर से बाइक और एलईडी टीवी के अलावा पीतल के हंडे, परात, कुछ कपड़े आदि भी चोरी हुए है। उन्होंने घटना की जानकारी पुलिस को दिया।

## टूटी सड़कें और खुले नालों पर वकीलों का विरोध प्रदर्शन

### अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कार्यालय पहुँचा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कलेक्ट्रेट अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष घनश्याम सिंह एवं महामंत्री मनोज मिश्रा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कार्यालय पहुँचा। अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी का घेराव करते हुए विरोध-प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने कहा कि शहर के अंदर जगह-जगह टूटी हुई सड़कों और खुले सीवर की वजह से आम नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में लापरवाही और बदइंतजामी के कारण तीन लोगों की असमय मृत्यु हो चुकी है, जो बेहद दुःखद और निंदनीय है। अधिवक्ता संघ ने कहा कि विकास के नाम पर बड़े-बड़े दावे करने वाली सरकार मूलभूत सुविधाएँ तक मुहैया कराने में विफल साबित हो रही है। टूटी सड़कें और खुले नाले शहर की बदहाली की तस्वीर पेश कर रहे हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन तत्काल कार्रवाई कर सड़कों की मरम्मत और सीवर की समस्या का समाधान नहीं करता, तो अधिवक्ता संघ आंदोलन को और तेज करेगा। उन्होंने मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा एवं परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की भी मांग की। घेराव में क्लेक्ट्रेट बार के पूर्व अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह, पूर्व महामंत्री आनंद मिश्रा ,उपाध्यक्ष राजकुमार निषाद, इन्द्रबहादुर सिंह, हीरामणि यादव, यादवेन्द्र मिश्रा, अमरनाथ पांडेय, सुनील यादव, अखिलेश यादव, जयमंगल यादव, जगदीश पाठक आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

## शेखपुर मोहल्ले में रात को चला हुआ, दुश्वार नहीं है कोई सुध लेने वाला

### सड़कों पर बिखरा रहता है कूड़ा, नहीं होती सफाई

-गार्गी यादव

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर पालिका परिषद जौनपुर के शेखपुर वार्ड में जिला जेल के बगल कॉलोनी में रात के समय बिल्कुल अंधेरा रहता है, जिसकी वजह से अराजक तत्वों का जमावड़ा होता है। रात के समय अंधेरे में नशेड़ी वहां पर जुटकर नशा करते हैं। इसके अलावा स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के दिनों में विषैले जीव जंतुओं के निकलने का भी खतरा बना रहता है। शाम 8 बजे ही इतना अंधेरा हो जाता है कि ऐसा लगता है कि आधी रात बीत गई है। स्थानीय लोगों ने सभासद से इसकी शिकायत भी की है, लेकिन अभी तक समस्या जस की तस बनी हुई है। कॉलोनी के रहिवासियों का कहना है कि कूड़ा भी कई दिनों से उठा नहीं है। जिसकी तेज दुर्गंध से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। कूड़ा सड़कों पर फैला रहता है और आवारा पशु, सुअर जाकर उसमें और गंदगी करते हैं। कूड़े की वजह से बारिश के दिनों में संक्रामक रोगों का भी खतरा बना हुआ है। स्थानीय रहिवासी राजकुमार दुबे ने बताया कि रात के अंधेरे में कहीं पर जाना खतरे से खाली नहीं है। रात के अंधेरे में विषैले जंतुओं के पैरों के नीचे आने का खतरा बना रहता है। वहीं सड़कों पर कूड़ा बिखरा रहने की वजह से गंदगी से होकर आना जाना पड़ता है। सुबह के समय कोई व्यक्ति मंदिर भी जाना चाहता है तो उसे गंदगी से होकर ही आना जाना पड़ता है। काफी दिनों से साफ सफाई नहीं की गई है। रात में काफी अंधेरा होने से अराजक तत्व भी इसी गली में आकर नशा करते हैं।

इस संबंध में वार्ड सभासद कृष्ण कुमार यादव से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि ईओ साहब से शिकायत की गई है कि लाइट खराब हो गई है। वह आश्वासन देते हैं लेकिन समस्या अभी भी जस की तस बनी हुई है। हम समाजवादी पार्टी के सभासद हैं इस वजह से हमारे वार्ड में साफ-सफाई और स्ट्रीट लाइट, इंटरलॉकिंग का काम नहीं हो रहा है। इस संबंध में नगर पालिका अध्यक्ष के प्रतिनिधि डॉ. रामसूरत मौर्य से सम्पर्क करने का प्रयास किया गया तो उनसे सम्पर्क नहीं हो पाया।

## पीएम सूर्यघर योजना में बिजली विभाग की मनमानी से उपभोक्ता परेशान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्यघर योजना जिसके तहत घरों में सोलर सिस्टम लगाकर उपभोक्ताओं को नब्बे फीसदी तक विद्युत बिल कम करने लक्ष्य है, जौनपुर जनपद में बिजली विभाग की लापरवाही और मनमानी के कारण प्रभावित हो रही है।

स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि सोलर सिस्टम लगवाने के बावजूद उनके बिजली बिलों में कोई राहत नहीं मिल रही। उलटे, विभाग मनमाने ढंग से उनका विद्युत लोड बढ़ा रहा है और बिल में सोलर उत्पादन की यूनिटों को समुचित रूप से नहीं जोड़ रहा है। शहाबुद्दीनपुर निवासी संजय कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उन्होंने 17 जनवरी 2025 को सोलर सिस्टम और नेट मीटर लगवाया था। 18 मई की मीटर रीडिंग में उनके यहां 1255 यूनिट उत्पादन और 1029 यूनिट खपत दर्ज हुई, यानी उत्पादन खपत से अधिक था। इसके बावजूद उन्हें पांच हजार रुपए से ज्यादा का बिल थमा दिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि विभाग ने उनकी अधिकतम खपत 3.5 किलोवाट होने के बावजूद, उनका विद्युत लोड 4 किलोवाट से बढ़ाकर 5 किलोवाट कर दिया। इस मामले की शिकायत उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टलऔर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जौनपुर में योजना का लक्ष्य इस वर्ष छै हजार घरों तक सोलर सिस्टम पहुंचाना है।लेकिन उपभोक्ताओं का कहना है कि विभाग की मनमानी और अपारदर्शी कार्यप्रणाली के चलते यह लक्ष्य अधर में लटक गया है। लोगों की मांग है कि विभाग पारदर्शिता से काम करे, उपभोक्ताओं के बिजली लोड का सही मूल्यांकन किया जाए और सोलर से उत्पन्न यूनिटों को बिल में ईमानदारी से समायोजित किया जाए। लगातार बढ़ती शिकायतें यह संकेत दे रही हैं कि यदि जल्द सुधार नहीं हुआ तो यह महत्वाकांक्षी योजना अपनी साख खो देगी और प्रधानमंत्री की मंशा को पलीता लग जाएगा।

## अशोक लेलैंड ने आगरा में किया विस्तार

आगरा। हिंदुजा ग्रुप की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड ने आगरा में अपने लाइट कमर्शियल व्हीकल्स (एलसीवी) के लिए एक नई डीलरशिप का उद्घाटन किया है। यह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कंपनी का 5वां एलसीवी डीलरशिप है। नया चैनल पार्टनर, माया ऑटो-टेक, प्लॉट नंबर 1ए, शारदा एस्टेट, शारदा ऑयल मिल के पास, नूनीहाई, आगरा-282006 में एक रणनीतिक रूप से स्थित 3र (सेल्स, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स) सुविधा प्रदान करेगा।

## मुम्बई में चारों ओर गुंज रहा गणपति बप्पा मोरया: निक्की शर्मा रश्मि

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुंबई में शुरू हुआ गणपति बप्पा मोरया श्री गणेश की पूजा से हर विघ्न होता है दूर। भगवान गणेश बुद्धि, बल से काफी तेज तर्रार माने जाते हैं। हर शुभ कार्य की शुरूआत गणेश वंदना से की जाती है। गणेश जी की पूजा से हर दुख और बाधा दूर हो जाती है इसलिए इनकी पूजा सर्वोपरि मानी जाती है।हिंदू धर्म में हर शुभ कार्य को करने से पहले गणेश जी की पूजा की जाती है। श्री गणेशाय नमः का उच्चारण करने के बाद ही शुभ कार्य किए जाते हैं गणेश जी की पूजा हर शुभ कार्य के करने से पहले की जाती है। गणेश चतुर्थी में उनकी पूजा होती ही है साथ ही साथ हर एक कार्य में सबसे पहले उन्हें ही ध्यान किया जाता है। श्री गणेश की स्तुति की जाती है और उनकी आराधना की जाती है क्योंकि गणेश जी विघ्नहर्ता है।हर बाधा को दूर करते हैं इसलिए इन्हें विघ्नहर्ता कहा जाता है। हर एक कार्य की शुरूआत उन्हें

याद करके ही किया जाता है। हर अनुष्ठान, कोई भी पूजा या कार्य से पहले आई हर विपदा ,हर विघ्न को दूर किया जाए इसलिए हर अनुष्ठान में पहले इन्हें याद किया जाता है ।हर कार्य सफल हो इसलिए सर्वप्रथम गणेश पूजा की जाती है। भगवान गणेश की वंदना की जाती है गणेश जी की पूजा से हर दुख और बाधा दूर हो जाती है इसलिए इनकी पूजा सर्वोपरि मानी जाती है। खुशहाली आती है।श्रद्धा, भाव, आस्था से गणेश जी की पूजा करने से हर कार्य सफल होता है। श्री गणेश पूजन सर्वप्रथम क्यों किया जाता है इसके पीछे भी एक कहानी कही जाती है। एक बार देवताओं ने आपस में ही यह प्रश्न करने लगे की सबसे पहले किसकी पूजा होनी चाहिए और इस प्रश्न को लेकर दुविधा में थे। इस प्रश्न को लेकर ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने कहा जो पृथ्वी की तीन परिक्रमा पूरे करके सर्वप्रथम आएगा वही सबसे पहले पूजा जाएगा। तब सारे देवता अपने अपने वाहन पर बैठकर पृथ्वी की परिक्रमा करने निकल पड़े तब भगवान गणेश ने माता पार्वती और पिता शिव की तीन परिक्रमा पूरी कर नतमस्तक खड़े हो गए।बुद्धि और चतुरता से उन्होंने यह कार्य पूरा कर लिया था। माता-पिता से बढ़कर कोई नहीं है और परिक्रमा उन्होंने पूरी कर ली थी और उसे दिन से ही गणेश पूजन पहले होने का शुभारंभ हुआ ।गणेश जी को आशीर्वाद मिला कि हर शुभ कार्य के पहले इन्हीं की पूजन सबसे पहले की जाएगी। इनकी पूजन से हर बड़ा मुश्किल और विपदा दूर हो जाएगी और तभी से गणेश पूजन सबसे पहले होने की शुरूआत हो गई ।गणेश पूजन से हर बाधा दूर हो जाती है बिना रुकावट विघ्न दूर होकर हर कार्य पूर्ण होता है इसलिए गणेश जी की पूजा हर शुभ कार्य में सबसे पहले की जाती है ।गणेश महोत्सव में आस्था की बही बयार मुम्बई में चारों ओर गुंज रहा गणपति बप्पा मोरया आस्था, भक्ति और श्रद्धा का प्रतीक गणेश महोत्सव मुंबई के साथ पूरे महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जा रहा है ।अब यह पूरे देश में मनाया जाने लगा है। गणेश चतुर्थी का यह पर्व महाराष्ट्र के सबसे बड़े पर्व के रूप में मनाया जाता है। हिंदू, मुस्लिम सभी एक साथ यहां इस पर्व को मनाते नजर आएंगे। धर्म, जाति से ऊपर उठकर सभी एक साथ यह पर्व हर्ष आनंद से मनाते हैं। हमारी भारतीय संस्कृति हर पर्व त्यौहार को धर्म से अलग हटकर अपना प्यार का रंग दिखाती रही है। अनेकता में एकता का प्रतीक भारतीय संस्कृति हर त्यौहार ,धर्म, जाति से ऊपर उठकर सबके पर्व में खुशियों में साथ देती है। गणेश चतुर्थी माघ मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। काफी सालों से गणेश चतुर्थी सार्वजनिक पर्व के रूप में मनाया जाता रहा है। ब्रिटिश शासन के समय अत्याचारों के खिलाफ लोगों को एक जुट करने के ख्याल से यह पर्व सार्वजनिक रूप में मनाया जाने लगा था। बप्पा की भव्यता देखनी हो तो महाराष्ट्र के गणपति उत्सव का आनंद ले।हर जगह बप्पा विराजमान नजर आएगें ।गणेशोत्सव का अदभुत नजारा आँखों में हमेशा के लिए बस जाता हैं।

## मर्दाना इमामबाड़ा विवाद : कुएं से उठा रहस्य, दस्तावेजों ने खोली नई परतें

*** सच और साजिश के बीच फंसी वाराणसी की धरोहर**

*** 57 सकेंड की वीडियों ने खोली परतें, दस्तावेजों की जांच से बढ़ी सरगर्मी**

-सुरेश गांधी

वाराणसी। मदार्ना इमामबाड़ा विवाद केवल एक भवन या सरकारी जमीन पर कब्जे की कहानी नहीं है, बल्कि यह उस सामूहिक जिम्मेदारी का आईना है, जो प्रशासन, समाज और मीडिया तीनों पर समान रूप से है। अगर इमामबाड़ा वास्तव में नगर निगम की जमीन पर अवैध रूप से खड़ा है, तो उसे बेदखल करना प्रशासन का कर्तव्य है। अगर भीतर इतिहास की कोई छिपी परत है, तो उसे उजागर करना पुरातत्व और समाज, दोनों का दायित्व है। और अगर कोई दबाव डालकर सच छिपाना चाहता है, तो उसे जनता के सामने बेनकाब करना मीडिया का धर्म है। वाराणसी, जो सत्य और परंपरा का शहर कहलाता है, वहां असत्य की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। अब समय आ गया है कि प्रशासन 1978 की तरह फिर से निर्णायक कदम उठाए और इस विवाद को केवल जमीन का नहीं, बल्कि पारदर्शिता और न्याय का प्रतीक उदाहरण बनाए।

फिरहाल, शहर के दुगाकुंड स्थित मदार्ना इमामबाड़ा इन दिनों वाराणसी की सबसे चर्चित जगह बन चुका है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए 57 सेकेंड के वीडियो ने न केवल इमामबाड़े की असलियत का पदार्फाश किया, बल्कि इससे जुड़े लोगों के दबंग रवैये और मीडिया पर दबाव बनाने की कोशिश को भी सामने ला दिया। सवाल साफ है कि आखिरकार सच छिपाने का खेल किसकी शह पर चल रहा है? विवाद तूल पकड़ने के बाद प्रशासन ने इमामबाड़े की सुरक्षा बढ़ा दी है और पुलिस फोर्स तैनात कर दी है। सिटी मजिस्ट्रेट रविशंकर सिंह ने हाल में ह्यजनाना कुआंह्व समेत अन्य तथ्यों का निरीक्षण किया। इसके बाद तहसील सदर में दस्तावेजों की जांच शुरू हुई। प्रारंभिक जांच में यह भूमि नगर निगम की संपत्ति निकली है।

दुगाकुंड पुलिस चौकी के पीछे लगभग 240 वर्ग मीटर क्षेत्र निगम के अभिलेखों में दर्ज है। नगर निगम लगातार कब्जाई गई जमीनों को मुक्त करा रहा है और सूत्रों के मुताबिक यहां भी बेदखली की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ेगी।

बता दें, वाराणसी का हर पत्थर, हर दीवार, हर ईंट अपने भीतर इतिहास की परतें समेटे हुए है। दुगाकुंड स्थित मदार्ना इमामबाड़ा में झरोखे के पीछे मिला यह प्राचीन कुआं उसी सच का आईना है कि काशी की धरती पर बहुत कुछ अब भी अनकहा और अनदेखा है। सदियों पुरानी इमारतों में छिपी हुई यह कहानियां सिर्फ धार्मिक विवाद का विषय नहीं, बल्कि हमारी साझा धरोहर का हिस्सा हैं। इस खोज ने दो बातें साफ कर दी हैं, अतीत की सच्चाई को पर्दों से ढककर लंबे समय तक नहीं रखा जा सकता और वैज्ञानिक एवं निष्पक्ष जांच के बिना इतिहास के ऐसे अध्याय अधूरे ही रहेंगे। मंदिर के अवशेष हों या न हों, कुएं की मौजूदगी यह साबित करती है कि इमामबाड़ा केवल धार्मिक स्थल ही नहीं, बल्कि इतिहास की एक जीवित कड़ी है। आज जरूरत इस बात की है कि प्रशासन और पुरातत्व विभाग इसे राजनीति या विवाद की नजर से न देखें, बल्कि इसे इतिहास, संस्कृति और विरासत की दृष्टि से गंभीरता से लें। काशी का सत्य जितना उजागर होगा, उतनी ही दृढ़ होगी उसकी पहचान और आस्था। इतिहास को छुपाने से नहीं, उजागर करने से ही पीढ़ियां सबक ले पाती हैं। काशी को उसकी सच्चाई जानने का अधिकार है।

कुआं और संभावित अवशेषों का रहस्य

इमामबाड़े के भीतर से सैकड़ों साल पुराना कुआं मिलने की पुष्टि ने रहस्य को और गहरा कर दिया है। स्थानीय लोगों का दावा है कि यहां किसी प्राचीन मंदिर के अवशेष भी दबे हो सकते हैं। हालांकि अब तक कोई ठोस अवशेष नहीं मिले हैं, लेकिन जांच का दायरा बढ़ने पर नई ऐतिहासिक परतें खुलने की पूरी संभावना है।

गुंडागर्दी और मीडिया पर हमला

वायरल वीडियो में पत्रकारों पर इमामबाड़े से जुड़े लोगों का आक्रामक व्यवहार और धमकी साफ झलक रही है। यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या यह केवल कब्जे बचाने का हथकंडा है या किसी गहरे राज को छिपाने की साजिश?

ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य : 1978 की याद

वाराणसी में 1978 का कब्जा हटाओ अभियान आज भी लोगों को याद है। उस समय भी शहर की कई सरकारी जमीनों और तालाबों पर अवैध कब्जे जमाए गए थे। प्रशासन ने कड़े कदम उठाकर न केवल उन कब्जों को हटाया, बल्कि सार्वजनिक भूमि पर नगर निगम का बोर्ड भी लगाया था। स्थानीय बुजुर्ग बताते हैं कि उस समय भी शुरूआत में भारी विरोध हुआ था, लेकिन सख्त कार्रवाई के बाद सच सामने आया और कब्जे हटे। इसीलिए लोग अब इस मामले को 1978 जैसी निर्णायक कार्रवाई से जोड़कर देख रहे हैं।

अगला पड़ाव और कानूनी पहलू

एडीएम सिटी आलोक वर्मा ने इमामबाड़े से जुड़े लोगों को अपने दस्तावेज प्रस्तुत करने का अवसर दिया है। तहसील और राजस्व विभाग पुराने रिकॉर्ड खंगाल रहे हैं ताकि आगे की कार्रवाई कानूनी रूप से निर्विवाद हो।

मदार्ना इमामबाड़ा विवाद

स्थान : दुगाकुंड पुलिस चौकी के पीछे, वाराणसी

क्षेत्रफल : करीब 240 वर्ग मीटर

जमीन की स्थिति : नगर निगम के नाम दर्ज सरकारी भूमि

मौजूदा स्थिति : इमामबाड़े की दीवारों में सैकड़ों साल पुराना कुआं मिला

सुरक्षा : मौके पर पुलिस फोर्स तैनात

प्रशासनिक कदम : सिटी मजिस्ट्रेट का निरीक्षण, दस्तावेजों की तहसील सदर में जांच जारी

आगामी कार्रवाई : कब्जे से जमीन मुक्त कराने व निगम का बोर्ड लगाने की तैयारी

प्रतिक्रिया

रामनाथ पांडेय (दुगाकुंड निवासी) : हमने बचपन से सुना है कि यहां कुआं और मंदिर के निशान हैं। अब जांच में कुआं मिला है तो सरकार को पूरी सच्चाई सामने लानी चाहिए। राशिद अली (स्थानीय व्यापारी) : मीडिया पर दबाव डालना गलत है। अगर सबकुछ सही है तो दस्तावेज दिखाने में क्या दिक्कत है? सच सामने आना ही चाहिए। गीता देवी (गृहणी) : नगर निगम की जमीन पर कब्जा हो या मंदिर के अवशेष, हमें फर्क नहीं पड़ता। फर्क तब पड़ेगा जब सच्चाई छिपाई जाएगी। प्रशासन को साफ-साफ कार्रवाई करनी चाहिए।

सवाल जो बाकी हैं...

अब जब कुआं और सरकारी जमीन की हकीकत सामने आ चुकी है, तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या मदार्ना इमामबाड़ा केवल सरकारी भूमि पर खड़ा एक अवैध ढांचा है? या इसके भीतर इतिहास की कोई छिपी परत दबे होने की संभावना है? और आखिर मीडिया पर हमलावर रवैया क्यों अपनाया गया?

# जीवन रक्षा हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

**डा0 नवीन कुमार सिंह**
M.B.B.S., M.S. (Ortho)
हड्डी व जोड़ रोग विशेषज्ञ

**डा0 शिल्पी सिंह**
M.B.B.S., M.S. (Obs & Gyn)
स्त्री रोग विशेषज्ञ

- फ्रेक्चर
- गठिया
- कमर दर्द
- ऑथराइटिस
- कूल्हा, घुटना प्रत्यारोपण
- इत्यादि रोगो का इलाज
- सिजेरियन डिलीवरी
- बच्चेदानी का ऑपरेशन
- ट्यूमर का ऑपरेशन
- दूरबीन विधि द्वारा
- बच्चे की जाँच
- नार्मल डिलीवरी

**आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं**
**इमरजेन्सी सुविधा 24 घण्टे उपलब्ध**

नया पता- पुलिस चौकी के सामने, सिपाह, आजमगढ़ रोड, जौनपुर (उ०प्र०) 6390303050

# TSMH त्रिभुवन सिंह मेमोरियल हॉस्पिटल

**डा0 स्पृहा सिंह**
M.B.B.S., MD (Pt. JNM Raipur)
CCEBDM (Diabeties)
जनरल फिजिशियन एवं मधुरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक आपोलो हॉस्पिटल, हैदराबाद

**डा0 जयेश सिंह**
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (पीडियाट्रिक्स)
डी.एम. (नियोनेटोलॉजी)
(Fernandez Hospital, Hyderabad)
DASSI (KEM Pune)
ONTOP (AIIMS New Delhi)

पूर्वांचल के प्रथम व एकमात्र सुपर स्पेशलिस्ट नवजात शिशु व बाल रोग विशेषज्ञ

- नवजात शिशु का आई.सी.यू. एवं बच्चों के सभी रोगों का इलाज।
- निमोनिया, जन्म पर गन्दा पानी पीने वाले नवजात अत्याधुनिक आई.सी.यू. की सुविधा।
- समय से पूर्व (सतवासे) में पैदा हुए बच्चों का इलाज एवं बच्चों का समस्त टीकाकरण।
- हमारे यहाँ आयुष्मान कार्ड के द्वारा नवजात शिशु व बच्चों के डायलसिस की सुविधा
- निशुल्क उपलब्ध है। ▪ इत्यादि समस्त रोगो का इलाज की सुविधा।

हृदय रोग एवं डायबिटीज रोग विशेषज्ञ

- वयस्कों में हार्ट, किडनी, शुगर, पेट रोग, लकवा, पैरालाइसिस, निमोनिया,
- लीवर, डेंगू, मलेरिया, टाईफाइड, अस्थमा/दमा, हाईब्लड प्रेशर, मलेरिया,
- डायलसिस, सिजेरियन डिलिवरी, नसों में शून्यपन, मस्तिष्क ज्वर, पीलिया,
- हेपेटाईटिस बी., ल्यूकोरिया, खूनी पेचिस, सर दर्द, माइग्रेन, यूरिन इन्फेक्शन
- स्वास व फेफड़ा रोग व अन्य सभी रोगों का इलाज किया जाता है।

**आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं**
पता- दिवानी कचहरी, अम्बेडकर तिराहा, जौनपुर (उ0.प्र0)
05452-356274/ 7992031213, 9026551423

# अरुणोदय सर्जिकल एण्ड ट्रामा सेन्टर

ARUNODAYA Surgical & Trauma Centre

**डा. अरुण आर. सिंह**
कन्सल्टेन्ट लैप्रोस्कोपिक सर्जन
रजि.नं.-82945 (यू.पी.एम.सी.)

जनरल सर्जरी
स्त्री एवं प्रसूति रोग
आर्थोपेडिक (सर्जरी एवं परामर्श)
कीमोथिरैपी सुविधा उपलब्ध
न्यूरो सर्जरी (परामर्श एवं सर्जरी)

वेन्टिलेटर एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
प्रशिक्षित डाक्टर स्टाफ तथा सभी मानकों पर खरा उतरने वाला जनपद का एक मात्र हास्पिटल
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार की सर्जरी
जनरल मेडिसिन, मधुमेह रोग

गुर्दा एवं मूत्र रोग (सर्जरी एवं परामर्श)
गैस्ट्रोइन्टरोलॉजी (इण्डोस्कोपी एवं कालोनोस्कोपी)
एक्सीडेण्टल एवं ट्रामा इमरजेन्सी सेवा 24 घण्टे उपलब्ध

**डा0 पुनीत सिंह**
M.S.M.C.H.
गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ (यूरो सर्जन)

**डा0 रवि प्रकाश सिंह**
M.S. (Ortho)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ

**डा0 प्रभात सिंह**
M.D.( Medicine)
जनरल फिजिशियन

**डा0 सुमित कुमार सिंह**
M.D.( Neuro Psychiatrist)
मानसिक रोग विशेषज्ञ

24/7 Emergency Services

बीमा कार्ड धारकों के लिए विशेष सुविधा उपलब्ध
**आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधाएं**
8090966086, 8090015086
कलीचाबाद, जौनपुर

# SALVATION HOSPITAL
# साल्वेशन हॉस्पिटल

The Culture of Care

**डॉ. प्रियंका श्रीवास्तव**
B.A.M.S.
(स्त्री रोग विशेषज्ञा)

**पंडित दीनदयाल उपाध्याय**
राज्यकर्मी कैशलेस चिकित्सा योजना संबद्ध अस्पताल

**आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना**
के अंतर्गत सूचीबद्ध अस्पताल

24/7 Emergency Services
24 घंटे भर्ती की सुविधा

आई.सी.यू. | डायलेसिस | एच.डी.यू.
नेत्र विभाग | अस्थि रोग विभाग
दन्त चिकित्सा | किडनी विभाग
जनरल मेडीसिन | जनरल सर्जरी

**डॉ. विवेक श्रीवास्तव**
M.D. (Physician, F.G.O.
(APOLO HOSPITAL) P.G.D.S.
Member of Indian Medical
Association UPMCI Rg. No. 95653

नोट- प्रत्येक महीने के दूसरे रविवार को प्रयागराज के गुर्दा रोग विशेषज्ञ डा0 सन्तोष मौर्य (M.D., D.M. Nephro) 12 बजे से 4 बजे तक उपलब्ध रहते हैं।

कंधरपुर, मुरादगंज, जौनपुर (वाराणसी-लखनऊ न्यू हाइवे के बगल में बाईपास से 400 मीटर की दूरी पर) 9138828282, 8686867547

# एस.आर.एस.
# हॉस्पिटल एण्ड ट्रामा सेन्टर

डा. अभय प्रताप सिंह
MBBS (KGMU), DNB(Ortho), MS (Ortho)
UCN, FIJR (Germany), MNAMS
आर्थ्रोस्कोपिक एण्ड ज्वाइंट
रिप्लेसमेन्ट आर्थोपेडिक सर्जन
हड्डी रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. आनन्द त्रिपाठी
MBBS, MD, DM (Neuro)
न्यूरो फिजिशियन
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. निदा सलाम
CGO
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
ओ.पी.डी. प्रतिदिन

डा. अरविन्द कुमार अग्रहरि
MBBS, MS, MCH (Neuro)
न्यूरो सर्जन
विजिटिंग/ऑन काल

डा. एस.के. मिश्र
MBBS, MS (General Surgeon)
जनरल सर्जरी
विजिटिंग/ऑन काल

डा. चंचला मिश्रा
MBBS, MS (Obs & Gyn.)
स्त्री रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल

डा. राजेश त्रिपाठी
MBBS, MD (Anesthisia)
एनेस्थिसिया रोग विशेषज्ञ
विजिटिंग/ऑन काल

7355 358194 05452- 356555

तेज डायग्नोस्टिक सेन्टर के सामने (पेट्रोल पम्प के बगल में) नईगंज तिराहा, जौनपुर

# BAJAJ ए. एम. बजाज

मो. अशहद

अब्दुल माजिद

मानी कलां, गुरैनी रोड, जौनपुर- 222139 9621032024, 9651316060, 9621139686

# AMIR TRAVELS

Hajj & Umrah Services
DOMESTIC & INTERNATIONAL
AIR TICKETS

Visit Visa, Holiday Tour Packages, Waqala Delhi & Mumbai Gamca & Medical Services
Emigration, Visa Stamping, Currency Exchange, Money Transfer

TV उत्तरशक्ति NEWS

- Withdrawal & Deposit Money From All (atm & Adhar Services)
- Passport, Pan Card & Driving License Services
- Common Services Center (csc) & Sahaj Jan Seva Kendra Related Services 7860303530, 9616636079

प्रो0- मो0 आसिफ सिद्दीकी संवाददाता गुरैनी, मानीकलां

सह- संपादक डॉ. इम्तियाज अहमद सिद्दीकी (उर्फ़ बाबू भाई) उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक, जौनपुर-लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

निकट- नसीराबाद चौक, पूर्व प्रधान नेयाज़ अहमद कटरा, मानीकलां, जौनपुर (उ. प्र0)